RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 134 ● भिलाई, शनिवार 29 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

कनाडा पुलिस के पास इतनी पावर नहीं, रेस्टोरेंट फायरिंग मामले पर तोड़ी कपिल शर्मा ने चुप्पी

मुंबई। कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा इन दिनों अपनी नई फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। मुंबई में फिल्म का भव्य ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कपिल सहित पूरी स्टारकास्ट मौजूद रही। इसी दौरान मीडिया ने उनसे उनके कनाडा स्थित रेस्टोरेंट पर हुई फायरिंग को लेकर सवाल पूछा। कपिल शर्मा ने घटना पर पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी और मुंबई पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि कनाडा में पुलिस तंत्र की सीमाओं के कारण कार्रवाई प्रभावी ढंग से नहीं हो सकी। कपिल शर्मा ने कहा, ये इंसिडेंट कनाडा में हुआ, वैंकूवर में। मुझे लगता है कि तीन बार वहां पर फायरिंग हुई। और शायद जो मुझे लगता है कि वहां का थोड़ा, जो नियम है, पुलिस के पास शायद इतनी पावर नहीं है कि वो उस चीज को कंट्रोल कर पाएं। जब हमारा ये केस हुआ तो उसके बाद ये केस फेडरल में चला गया।

प्राइवेट पार्ट में रॉड डालने की धमकी, न्यूड फोटो से किया ब्लैकमेल

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री सेलिना जेटली ने अपने पति पीटर हॉग के खिलाफ घरेलू हिंसा, मानसिक प्रताड़ना और यौन शोषण जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए मुंबई की एक अदालत में मामला दर्ज कराया है। कोर्ट में जमा दस्तावेजों में सेलिना ने कई चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं, जिनकी जानकारी अब सामने आई है। सेलिना और पीटर हॉग की शादी वर्ष 2010 में हुई थी। पीटर ऑस्ट्रेलिया के रहने वाले बिज़नेसमैन हैं। दोनों के चार बच्चे हुए—2012 में ट्विन्स विंस्टन और विराज, 2017 में उनके बेटे ऑर्थर का जन्म हुआ, जबकि हृदय संबंधी समस्या के कारण उनके बेटे शमशेर का निधन हो गया था। सेलिना का आरोप है कि उनके पति का टॉर्चर हनीमून से ही शुरू हो गया था। दिल्ली गैंगरेप केस के बाद सेलिना के पति ने उन्हें धमकाना शुरू किया कि प्राइवेट पार्ट में रॉड डाल देंगे। इतना ही नहीं वह बच्चों के सामने उन्हें गंदी गालियां देते, दूसरे मर्द के साथ सोने को कहते और सेलिना की न्यूड फोटोज लेकर उन्हें ब्लैक मेल भी किया।

जालंधर वेस्ट में 13 वर्षीय बच्ची के परिवार से मिले नितिन कोहली

जालंधर। आम आदमी पार्टी के जालंधर सेंट्रल हल्का प्रभारी नितिन कोहली जालंधर वेस्ट में 13 वर्षीय पीड़ित बच्ची के परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए परिवार को हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। मीडिया से बातचीत में कोहली ने कहा कि परिवार जिस असहनीय दर्द से गुजर रहा है, उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि मामला फास्ट-ट्रैक कोर्ट में सुना जाए, ताकि न्याय में देरी न हो। कोहली ने कहा, हम परिवार के साथ अंत तक खड़े रहेंगे।आरोपी किसी भी स्थिति में नहीं बचेगा। हमारी पूरी कोशिश होगी। कि यह मामला फास्ट-ट्रैक कोर्ट में चले, ताकि दोषी को बिना देरी सबसे कठोर दंड मिल सके।

उडुपी में पीएम मोदी का संकल्प

नया भारत नहीं झुकेगा,सुदर्शन चक्र से होगा शत्रुओं का संहार

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कर्नाटक के उडुपी स्थित श्री कृष्ण मठ में लक्ष कंठ गीता पारायण कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए नए भारत की शक्ति और संकल्प का आह्वान किया। राष्ट्रीय सुरक्षा की बात करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा सुदर्शन चक्र दुश्मनों को तबाह कर देगा। हमने ऑपरेशन सिंदूर में यह देखा। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि पहले जब ऐसे आतंकवादी हमले होते थे, तो सरकार कुछ नहीं करती थी। लेकिन यह नया भारत है, यह किसी के सामने नहीं झुका है और न ही अपने नागरिकों की सुरक्षा के मामले में पीछे हटा है। मोदी ने कहा कि अभी 3 दिन पहले ही मैं गीता की धरती कुरुक्षेत्र में था। अब आज भगवान श्री कृष्ण के आशीर्वाद और जगद्गुरू श्री माधवाचार्य जी के यश की इस भूमि पर आना मेरे लिए परम संतोष का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज के इस अवसर पर जब 1 लाख लोगों ने एक साथ भगवदगीता के श्लोक पढ़ें, तो पूरे विश्व के लोगों ने भारत की सहस्त्र वर्षों की दिव्यता का साक्षात दर्शन भी किया है। कर्नाटक की इस भूमि पर यहां के स्नेहीजनों के बीच आना मेरे लिए सदा ही एक अलग अनुभूति होती है। और उडुपी की धरती पर आना तो हमेशा ही अद्भुत होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरा जन्म गुजरात में हुआ और गुजरात एवं उडुपी के बीच गहरा और विशेष संबंध रहा है। मान्यता है कि यहां स्थापित भगवान श्री कृष्ण के विग्रह की पूजा पहले द्वारका में माता रुक्मिणी करती थी। बाद में जगद्गुरु श्री माधवाचार्य जी ने इस प्रतिमा को यहां पर स्थापित किया। उन्होंने कहा कि अभी पिछले ही वर्ष मैं समुद्र के भीतर श्री द्वारका जी के दर्शन करने गया था, वहां से भी आशीर्वाद ले आया। आप खुद समझ सकते हैं कि मुझे इस प्रतिमा के दर्शन करके क्या अनुभूति हुई होगी। इस दर्शन में मुझे एक आत्मीय और आध्यात्मिक आनंद दिया है। मोदी ने कहा कि उडुपी आना मेरे लिए एक और वजह से विशेष होता है। उडुपी जनसंघ और भाजपा के सुशासन के मॉडल की कर्मभूमि रही है। 1968 में उडुपी के लोगों में जनसंघ के हमारे वी एस आचार्य जी को यहां की नगर पालिका परिषद में विजयी बनाया था। उसके साथ ही उडुपी ने एक नए गवर्नेंस मॉडल की नींव भी रखी थी। उन्होंने कहा कि आज हम स्वच्छता के जिस अभियान का राष्ट्रीय रूप देख रहे हैं, उसे उडुपी ने 5 दशक पहले अपनाया था। जलापूर्ति और ड्रेनेज सिस्टम का एक नया मॉडल देना हो, उडुपी ने ही 70 के दशक में इन कार्यक्रमों की शुरुआत की थी। नरेंद्र मोदी ने कहा कि रामचरित मानस में लिखा है- कलियुग केवल हरि गुन गाहा, गावत नर पावहिं भव थाहा। अर्थात कलियुग में केवल भगवद् नाम और लीला का कीर्तन ही परम साधन है।

एक विशाल ऊर्जा पिंड को अनुभव करने का अवसर बन गया है-पीएम मोदी

इस दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'उडुपी आना मेरे लिए खास इसलिए भी है क्योंकि उडुपी जनसंघ और भाजपा के सुशासन मॉडल की कर्मभूमि रही है। 1968 में, उडुपी के लोगों ने हमारे जनसंघ के वी.एस. आचार्य को यहां के नगरपालिका परिषद में जिताया था... आज हम देश भर में जो स्वच्छता अभियान देख रहे हैं, उसे उडुपी ने पांच दशक पहले अपनाया था...' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, 'हमारे समाज में मंत्रों, गीता के श्लोकों का पाठ शताब्दियों से हो रहा है पर जब एक लाख कंठ एक स्वर में इन श्लोकों का ऐसा उच्चारण करते हैं... तो ऐसी ऊर्जा निकलती है जो हमारे मन, मस्तिष्क को एक नया स्पंदन, नई शक्ति देती है... यही ऊर्जा अध्यात्म की शक्ति भी है।

सबका साथ, सबका विकास की नीति भगवान श्रीकृष्ण के श्लोकों से प्रेरित-पीएम

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा, 'यहां आने से तीन दिन पहले मैं अयोध्या में था। 25 नवंबर को विवाह पंचमी के पावन दिन अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में धर्म ध्वजा की स्थापना हुई हैज राम मंदिर आंदोलन में उडुपी की भूमिका कितनी बड़ी है सारा देश इसे जानता है।' उन्होंने कहा, 'आज हमारी 'सबका साथ, सबका विकास', 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की नीतियां भगवान श्री कृष्ण के इन श्लोकों से प्रेरित हैं। भगवान श्री कृष्ण हमें गरीबों की मदद करने का मंत्र देते हैं और इसी मंत्र की प्रेरणा आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं का आधार बनती हैज भगवान श्री कृष्ण हमें महिला सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण का ज्ञान सिखाते हैं और इन्हीं की प्रेरणा से देश नारी शक्ति वंदन अधिनियम का ऐतिहासिक फैसला लेता है।

टीएमसी का चुनाव आयोग पर खून का आरोप

40 मौतों की सूची देकर सीईसी ज्ञानेश कुमार से तीखे सवाल....

नई दिल्ली/ एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 10 सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के साथ बैठक की और पश्चिम बंगाल तथा देश भर के अन्य राज्यों में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर आपत्ति जताई। बैठक के दौरान, टीएमसी प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार से कहा कि उनके हाथ खून से सने हैं और सांसद डेरेक ओ'ब्रायन के अनुसार, एसआईआर प्रक्रिया के कारण मारे गए 40 लोगों की सूची सौंपी। टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के 10 सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त श्री कुमार और उनकी टीम से मुलाकात की। हमने सबसे पहले उन्हें एसआईआर प्रक्रिया के कारण मारे गए लगभग 40 लोगों की सूची सौंपी। हमने बैठक की शुरुआत यह कहकर की कि श्री कुमार और भारत के चुनाव आयोग के हाथ खून से सने हैं। ओ'ब्रायन के अलावा, राज्यसभा सांसद डोला सेना, साकेत गोखले, ममता ठाकुर और महुआ मोइत्रा भी बैठक और प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद थीं। टीएमसी सांसद ने कहा कि उन्होंने बैठक के दौरान कम से कम पाँच सवाल उठाए, लेकिन किसी का भी जवाब नहीं मिला। हमने अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की ओर से पाँच सवाल उठाए। हमें अपने पाँचों सवालों में से किसी का भी जवाब नहीं मिला। यही हुआ।

छत्तीसगढ़ में पड़ेगी कड़ाके की ठंड, उत्तरी इलाकों में शीत लहर की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम एक बार फिर करवट ले रहा है। राजधानी रायपुर से लेकर सरगुजा और बस्तर तक अधिकांश इलाकों में तापमान लगातार नीचे जा रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में करीब 1–2 डिग्री की हल्की बढ़ोतरी संभव है, लेकिन कुल मिलाकर ठंड की वापसी तेज़ हो चुकी है। उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में हल्की शीत लहर की स्थिति भी बन सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, फ्लिहाल प्रदेश में बादल, बारिश या किसी भी तरह की नमी वाला सिस्टम सक्रिय नहीं है।

नेपाल की नई चाल

100 रुपये के नोट पर भारतीय क्षेत्र-पवन खेड़ा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र को नेपाल द्वारा एनपीआर 100 के लिए नया नोट जारी करने के कदम के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इस नोट में लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी के विवादित क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक अद्यतन मानचित्र दिखाया गया है। एएनआई से बात करते हुए, पवन खेड़ा ने कहा कि यह बिल्कुल चौंकाने वाला है। भारत सरकार को समझदारी और सख्ती से काम लेने की ज़रूरत है। भारत सरकार की प्रतिक्रिया क्या है? नेपाल ने गुरुवार को एनपीआर 100 के लिए अपना नया नोट जारी किया, जिसमें लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी के भारतीय क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक अद्यतन मानचित्र दिखाया गया है। यह बैंक नोट आज प्रचलन में आ गया।

कर्नाटक सीएम की दौड़ में डीके शिवकुमार का यू-टर्न!

मुझे कुछ नहीं चाहिए,पार्टी का फैसला सर्वोपरि-शिवकुमार....

नई दिल्ली/ एजेंसी

कर्नाटक में कांग्रेस नेतृत्व को लेकर मचे घमासान के बीच, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को दोहराया कि वह किसी भी तरह की जल्दबाजी नहीं चाहते और पार्टी आलाकमान ही मुख्यमंत्री पद पर फैसला लेगा। सत्ता संघर्ष के बीच वोक्कालिगा समुदाय के आध्यात्मिक गुरु नंजवदुथा स्वामीजी से मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर, शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस उनका समुदाय है और वह राज्य के सभी समुदायों को समान रूप से देखते हैं। उपमुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि मुझे कुछ नहीं चाहिए। मैं कोई जल्दबाजी नहीं कर रहा। मेरी पार्टी फैसला लेगी। मैं किसी भी तरह का सामुदायिक कोण नहीं चाहता। कांग्रेस मेरा समुदाय है और मेरा प्यार समाज के सभी वर्गों के लिए है। हालांकि कांग्रेस आलाकमान की बैठक में मुख्यमंत्री पद पर फैसला लेने की अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन शिवकुमार ने कहा कि वह संसद के शीतकालीन सत्र से पहले कर्नाटक के किसानों के मुद्दों को उठाने के लिए दिल्ली जाएँगे। उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली ज़रूर जाऊँगा। यह हमारा मंदिर है। कांग्रेस का एक लंबा इतिहास रहा है और दिल्ली हमेशा हमारा मार्गदर्शन करेगी। जब मुझे, पार्टी नेताओं और मुख्यमंत्री को बुलाया जाएगा, तो हम वहाँ जाएँगे।

इंजीनियरिंग कॉलेज बना साइबर क्राइम का हब, देश में हजारों लोगों को लगाया 90 करोड़ का चूना

नई दिल्ली। पुडुचेरी साइबर अपराध पुलिस ने एक बड़े साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, जो कथित तौर पर एक इंजीनियरिंग कॉलेज के अंदर से संचालित हो रहा था। जांच अधिकारियों ने इसे साइबर अपराध का हब बताया है। जांच में पता चला है कि 90 करोड़ रुपये के इस घोटाले में छात्र अपने दोस्तों और सहपाठियों के बैंक खाते साइबर अपराधियों को बेचते थे। अधिकारी बताते हैं कि अपराधी भारत में धन को वैध दिखाकर बाद में दुबई भेजते थे और वहां से चीन स्थित नेटवर्क के जरिए इसे क्रिप्टोकरेंसी में बदल देते थे। यह मामला तब उजागर हुआ।

प्रदूषण पर संग्राम

प्रदूषण से बच्चों का दम घुट रहा,सरकार चुप क्यों-राहुल

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को शीतकालीन सत्र से पहले देश के कई शहरों में वायु प्रदूषण पर संसद में बहस की माँग की। एक पोस्ट में, राहुल गांधी ने केंद्र पर सवाल उठाते हुए वायु प्रदूषण की समस्या के लिए कोई तत्परता, योजना या जवाबदेही नहीं का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि मैं जिस भी माँ से मिलता हूँ, वह मुझे एक ही बात कहती है: उसका बच्चा ज़हरीली हवा में साँस लेते हुए बड़ा हो रहा है। वे थके हुए, डरे हुए और गुस्से में हैं। मोदी जी, भारत के बच्चे हमारे सामने घुट रहे हैं। आप चुप कैसे रह सकते हैं? आपकी सरकार कोई तत्परता, कोई योजना, कोई जवाबदेही क्यों नहीं दिखाती? उन्होंने लिखा कि भारत को वायु प्रदूषण पर संसद में तत्काल, विस्तृत बहस और इस स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने के लिए एक सख्त, लागू करने योग्य कार्य योजना की आवश्यकता है। हमारे बच्चे स्वच्छ हवा के हकदार हैं - बहाने और ध्यान भटकाने वाले नहीं। इस बीच, पार्टी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस 30 नवंबर को शाम 5 बजे सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर संसदीय रणनीति समूह की बैठक करेगी, जिसमें 1 दिसंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र की रणनीति तैयार की जाएगी।

स्कूल-दफ्तरों को बंद किया गया

श्रीलंका में बाढ़ से 56 लोगों की मौत,600 से ज्यादा घर तबाह

श्रीलंका/ एजेंसी

श्रीलंका में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन के चलते हालात काफी बिगड़ चुके हैं। देशभर में अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 600 से ज्यादा घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। बिगड़ते हालात को देखते हुए सरकार ने शुक्रवार को सभी सरकारी दफ्तरों और स्कूलों को बंद रखने का निर्णय लिया। बता दें कि पिछले सप्ताह से ही श्रीलंका खराब मौसम से जूझ रहा है। हालांकि, गुरुवार को मूसलाधार बारिश ने यहां तबाही मचा दी। तेज बारिश के कारण कई जगह घर, सड़कें और खेत पानी में डूब गए। इसके चलते कई इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं सामने आईं। सरकार के मुताबिक, सबसे ज्यादा तबाही बदुल्ला और नुवारा एलिया के पहाड़ी चाय उत्पादन क्षेत्रों में दिखी, जहां गुरुवार को ही 25 लोगों की मौत हो गई। आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार इन दो क्षेत्रों में 21 लोग लापता हैं, जबकि 14 घायल बताए जा रहे हैं। देश के अन्य हिस्सों में भी भूस्खलनों से कई लोगों की जान गई है। लगातार तेज बारिश से अधिकतर नदियां और जलाशय उफान पर हैं। इसके चलते कई सड़कें बंद हैं। चट्टानें, पेड़ और मिट्टी गिरने से कई रास्ते और रेलवे ट्रैक बंद हो गए। इसी वजह से यात्री ट्रेनों की सेवाएं भी रोक दी गईं। स्थानीय टीवी चैनलों पर गुरुवार को एक वीडियो सामने आया, जिसमें वायुसेना का एक हेलिकॉप्टर बाढ़ में फंसे घर की छत पर खड़े तीन लोगों को बचाता दिखा। वहीं नौसेना और पुलिस नावों की मदद से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही है। एक और दिल दहला देने वाली घटना में, अम्पारा के पास बाढ़ में एक कार बह गई, जिसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई। श्रीलंका में मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे और चुनौतीपूर्ण रहने की चेतावनी दी है, जिससे राहत-बचाव टीमों पर दबाव और बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवात दित्वा में मारे गए लोगों के प्रति श्रीलंका के प्रति संवेदना व्यक्त की और प्रभावित परिवारों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तत्काल राहत भेजी है और आगे भी सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। भारतीय मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि चक्रवाती तूफान दित्वा इस समय श्रीलंका के तटीय क्षेत्र और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर से गुजर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, यह उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और 30 नवंबर की सुबह तक तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के करीब पहुँचने की उम्मीद है। 28 नवंबर को सुबह 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) यह तूफ़ान 8.3ए उत्तर और 81.0ए पूर्व के बीच त्रिंकोमाली से लगभग 40 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम और श्रीलंका में बट्टिकलोआ से 100 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित था। भारत की ओर, यह कराईकल से 320 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व, पुडुचेरी से 430 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और चेन्नई से 530 किलोमीटर दक्षिण में था।

तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में बारिश की चेतावनी

तूफ़ान के आगे बढ़ने को देखते हुए, मौसम विभाग ने पूरे तमिलनाडु में अलर्ट जारी कर दिया है। क्षेत्रीय मौसम विभाग ने तंजावुर, तिरुवरुर, नागपट्टिनम और मयिलादुथुराई सहित कावेरी डेल्टा के कुछ ज़िलों में 30 नवंबर तक रेड अलर्ट जारी किया है। चक्रवाती तूफ़ान के नज़दीक आने पर पुडुचेरी बंदरगाह पर चक्रवात चेतावनी संकेत संख्या 2 फहराया गया। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, समुद्र की स्थिति अभी भी खराब बनी हुई है, तट पर तेज़ लहरें और तेज़ हवाएँ चल रही हैं। उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी तथा उससे सटे दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के लिए चक्रवात की चेतावनी जारी की गई है। अधिकारियों ने तटीय निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी है क्योंकि यह तूफ़ान तेज़ होकर भारतीय तटरेखा के पास पहुँच रहा है।

थानू राम यादव को समता साहित्य ज्ञानश्री, परस बंजारे को डॉ भीमराव अम्बेडकर व टेकराम मिरी को संत गुरु घासीदास दास समता अवार्ड

बेमेतरा। समता साहित्य अकादमी छ ग राज्य एवं सरल सरिता भजनामृत भजन समिति रायपुर का संयुक्त तत्वावधान में भारतीय संविधान के 76वें सालगिरह एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष पर प्रादेशिक सम्यक प्रबोधन सम्मेलन रायपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुंदर दास मानिकपुरी पनिका समाज राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि शशांक शर्मा संस्कृति एवं साहित्य विभाग एवं महादेव कावरे सचिव छ ग शासन विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अकादमी के प्रांताध्यक्ष जी आर बंजारे ज्वाला व सुशीला देवी बाल्मीकि महासंरक्षक द्वारा बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर व छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पूजा अर्चना व आरती उतार कर शुभारम्भ किया गया। उपस्थित कवियों ने काव्य पाठ किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों साहित्यकारों कलाकारों व समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। जिसमें बेमेतरा जिला के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटई के व्याख्याता परस राम बंजारे को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट शिक्षकीय कार्यों, कला कौशल, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों आदि उल्लेखनीय कार्यों के लिए बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर समता अवार्ड 2025की मानद उपाधि से अलंकृत कर शाल श्रीफल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में वार्ड नंबर 11 बेमेतरा निवासी कृषि विभाग से सेवा निवृत्त लेखापाल थानू राम यादव बहुमुखी प्रतिभा के धनी मिलनसार व्यक्तिव समाजसेवी को समता साहित्य ज्ञानश्री अवार्ड 2025 की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया है, व शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय संबलपुर के उत्कृष्ट शिक्षक व समाज सेवी टेकराम मिरी साहित्यकार कवि को संत गुरु घासीदास समता अवार्ड 2025 की मानद उपाधि से अलंकृत कर शाल श्रीफल व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर अकादमी के प्रांताध्यक्ष जी आर बंजारे ज्वाला महासंरक्षक सुशीला देवी बाल्मीकि, प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ गोकुल बंजारे चंदन, प्रोफेसर के मुरारी दास बालोद, सचिव प्रेम सायमन, तिरथ कुमारी मानिकपुरी सहित छत्तीसगढ़ राज्य के सैकड़ों समाजसेवी, साहित्यकार व कलाकार पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन जी आर बंजारे ज्वाला ने की।

जिले में व्यापक सुरक्षा, स्वच्छ यातायात एवं नशा उन्मूलन के लिए तैयार होगी संयुक्त कार्ययोजना

बेमेतरा। कलेक्ट्रेट के दृष्टि सभाकक्ष में कलेक्टर रणबीर शर्मा के निर्देशन मे नारको को-ऑर्डिनेशन सेंटर, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्त भारत अभियान, पशु क्रूरता निवारण तथा नवीन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एक विस्तृत और महत्वपूर्ण समन्वय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने की। इस दौरान अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत में पिछले माह की समीक्षा की गई और विभागों द्वारा की गई प्रगति, चुनौतियों एवं आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज, डिप्टी कलेक्टर पिंकी मनहर, पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, परिवहन, नगर पालिका और आबकारी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

नशीले पदार्थों पर सख्त कार्रवाई–युवाओं के भविष्य की रक्षा प्राथमिकता

पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने जिले में नशे के बढ़ते दुष्प्रभाव पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि युवा वर्ग का भविष्य नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। हाल ही में नशा तस्करी के कई मामलों में प्रभावी कार्रवाई की गई है और मादक पदार्थों की जब्ती भी हुई है। उन्होंने सभी विभागों से संयुक्त रूप से एक व्यापक नशा विरोधी अभियान चलाने के निर्देश दिए। स्कूलों और कॉलेजों में नियमित नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर जोर देते हुए समाज कल्याण विभाग को समुदाय स्तर पर विशेष अभियान तैयार करने के लिए निर्देशित किया गया।

पशु क्रूरता निवारण—अवैध परिवहन और बिक्री पर कड़ी निगरानी

बैठक में पशु क्रूरता निवारण से जुड़े मामलों पर भी गंभीरतापूर्वक चर्चा की गई। जानकारी दी गई कि कुछ लोग पशुओं को इकट्ठा कर अवैध रूप से बिक्री या बध हेतु दूसरे स्थानों पर ले जाते हैं। एसएसपी साहू ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों पर कई बार कार्रवाई की गई है और यदि समय पर सूचना मिलती है तो दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस-प्रशासन के समन्वय से पशु संरक्षण कानूनों को सख्ती से लागू करने पर जोर दिया।

सड़क सुरक्षा : सिग्नल सिस्टम और चौक व्यवस्था भी होगी मजबूत

जिला परिवहन अधिकारी अरविंद भगत ने सड़क सुरक्षा पर विस्तृत प्रस्तुति देते हुए बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग और बेरला क्षेत्र में दुर्घटनाओं की संख्या अधिक है। इन स्थानों को ब्लैक स्पॉट घोषित कर स्पीड ब्रेकर, चेतावनी संकेतक बोर्ड और रिफ्लेक्टर लगाए गए हैं। कलेक्ट्रेट के सामने सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए स्पीड लिमिट बोर्ड, डिवाइडर और मस्ट लाइट लगाने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग को पत्राचार किया गया है। चौक-चौराहों पर पेंटिंग कार्य कराने के निर्देश दिए गए, जिससे वाहन चालकों को दृश्यता मिले और सड़क अनुशासन मजबूत हो। शहर के प्रमुख चौकों पर सिग्नल लाइट स्थापित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश परिवहन विभाग को दिए गए। बाईपास मार्ग से भारी वाहनों को अनिवार्य रूप से डायवर्ट करने के निर्देश पुलिस अधीक्षक ने दिए, ताकि शहर के भीतर भीड़-भाड़ और दुर्घटना की संभावना कम हो सके। सिग्नल चौक पर वाहनों को व्यवस्थित रूप से पार्क/रुकने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस व नगर पालिका को संयुक्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

नवीन कानूनों का सख्त क्रियान्वयन–शराब सेवन, अनुशासनहीनता पर कार्रवाई

आबकारी विभाग को सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। नगर पालिका और राजस्व विभाग को सड़क किनारे अवैध ठेले-गुमटियों को व्यवस्थित करने और नियम उल्लंघन पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू रहे।

नशा मुक्ति से लेकर सड़क सुरक्षा तक निरंतर मॉनिटरिंग के आदेश

बैठक के अंत में सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि वे नशा मुक्ति अभियान, सड़क सुरक्षा सुधार, पशु क्रूरता निवारण और नवीन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु संयुक्त कार्ययोजना तैयार करें। उसकी नियमित मॉनिटरिंग, त्वरित फील्ड एक्शन और विभागीय समन्वय को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। समन्वय, सहयोग और सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति दृढ़ संकल्प के साथ यह बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

जिला शिक्षा साक्षरता मिशन प्राधिकरण के सदस्यों ने शपथ ली

बेमेतरा। जिले में उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए एक जिला स्तरीय बैठक अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला शिक्षा साक्षरता मिशन प्राधिकरण के सदस्यों ने शपथ ली, जिसमें उन्होंने साक्षरता और शिक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। बैठक में अभियान के उद्देश्य और कार्ययोजना पर चर्चा की गई। इसमें यह स्पष्ट किया गया कि यह कार्यक्रम केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि असाक्षरों को बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मकता, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता से लैस करना इसका मुख्य लक्ष्य है। कार्यक्रम केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि असाक्षरों को बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मकता, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता से लैस करना इसका मुख्य लक्ष्य है। कार्यक्रम के तहत शिक्षार्थियों को स्वास्थ्य, स्वच्छता और अन्य महत्वपूर्ण जीवन कौशल में भी प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे अपने दैनिक जीवन में अधिक सक्षम बन सकें।अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज ने विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों से विशेष अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय भाग लें। उन्होंने कहा, अपने आस-पास रहने वाले असाक्षरों को साक्षर बनाना प्रत्येक विद्यार्थी और स्वयंसेवक का महत्वपूर्ण कर्तव्य है। प्रतिदिन केवल 1 घंटे का समय समाज को साक्षर बनाने में समर्पित करें। यदि आप स्वयंसेव का महत्वपूर्ण कर्तव्य है। प्रतिदिन केवल 1 घंटे का समय समाज को साक्षर बनाने में समर्पित करें। यदि आप स्वयंसेवी शिक्षक के रूप में दस असाक्षरों को साक्षर बनाते हैं, तो यह अभियान निश्चित रूप से सफल होगा। बैठक में यह भी बताया गया कि इस पहल में योगदान देने वाले विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों को जिला एवं राज्य स्तर से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही, हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षाओं में उन्हें 10 अंक बोनस भी प्रदान किए जाएंगे, जिससे उनकी मेहनत को मान्यता मिले और उन्हें प्रेरणा मिले।

अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज ने कहा कि यह अभियान न केवल व्यक्तिगत साक्षरता बढ़ाने का अवसर है, बल्कि जिले के विकास और नागरिकों की सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी शिक्षकों, स्वयंसेवकों और विद्यार्थियों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी और सहयोग की अपेक्षा जताई।

नगर पालिका परिषद दल्लीराजहरा द्वारा मितानिन सम्मान समारोह का आयोजन

दल्लीराजहरा। नगर पालिका परिषद दल्लीराजहरा के द्वारा मितानिन सम्मान समारोह का आयोजन सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि तोरण लाल साहू अध्यक्ष नगर पालिका परिषद थे। अथितियों में समर्थ लखानी,पार्षदगण विरेंद्र साहू, अनिता सोनवानी, अरुणा रामटेके, मोनिका साहू, निर्मल पटेल, रेखा सहारे, पुसई साहू, मालती निषाद थे। मितानिन जिला समन्वयक शकुन दास ने मितानिन कार्यक्रम के विषय में विस्तार से जानकारी दी, मितानिन एक स्वयं सेवी कार्यकर्ता है, जो अपने क्षेत्र के पारा, मुहल्ला में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करती है। शासन के द्वारा कोई मानदेय नहीं मिलता है। मितानिन शासन के द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को हितग्राहियों तक पहुँचती है। माताओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य का देखभाल करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संपादन में सहयोग प्रदान करती है। शासन द्वारा अंकित कार्यो के लिए उन्हें क्षतिपूर्ति के रूप में राशि दी जाती है मितानिन का काम है लोगों की मदद करना। उन्होंने अंत में कहा मितानिन शासन की एक ऐसी अंतिम कड़ी है जो शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाती है। हमारे दल्ली राजहरा में पूरे 27 वार्डो में 43 मितानिन कार्य कर रही है। तोरण लाल साहू ने कहा मितानिन का कार्य सराहनीय है जो नगर में निःशुल्क सेवा प्रदान करते हैं, जब भी वार्ड में स्वास्थ्य सेवा की जरूरत पड़ती है तुरंत सेवा देते हैं। आप सभी लोगों की उज्जवल भविष्य की मै कामना करता हूँ। आप लोगों को जो भी सहयोग की जरूरत हो मै देने को तैयार हूँ। संचालन स्वास्थ्य सुपरवाइजर रेखू राम साहू ने किया, आभार व्यक्त प्रशिक्षक मंजू ने किया। नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा के अध्यक्ष तोरण लाल साहू ने समस्त मितानिन गण का श्रीफल से सम्मान किया। आयोजन में प्रशिक्षकगण रेश्मा खान, अश्विनी सोरी, निर्मला शुक्ला, ज्ञानेश्वरी सहित मितानिनगण उपस्थित थे।

समाधान महाविद्यालय में हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

बेमेतरा। सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय एवं आईटीआई, रेड क्रॉस सोसाइटी व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में 9 वीं बार वार्षिक रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना से किया गया। यह शिविर सिक्खों के नौवे गुरु तेगबहादुर की 350 वीं शहादत दिवस को समर्पित किया गया। जिन्होंने धर्म, मानवता और सत्य की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया। उनका त्याग हमें यह सदेश देता है कि मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. अवधेश पटेल ने विद्यार्थियों को ब्लड डोनेशन के महत्व व फायदे से परिचित कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में किशोर कुमार, प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय बहेरा बेमेतरा से रहे। उन्होंने अपने विचारों को साझा करते हुए कहा कि जिस प्रकार देश की सुरक्षा के लिए हमारे वीर जवान अपने प्राणों की परवाह किए बिना रक्त बहाते हैं, उसी तरह रक्तदान किसी रोगी के जीवन की रक्षा करता है। रक्तदान एक ऐसा मानवतापूर्ण कार्य है जो किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान करता है। हमारे नवोदय विद्यालय से उत्तीर्ण विद्यार्थी प्रशासनिक कार्यो के साथ-साथ सामाजिक कार्यो में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय में विद्यार्थियों को मूल्यों व संस्कारों की ऐसी शिक्षा दी जाती है, जिससे वे अपनी समाज में भागीदारी दे पाए। विशिष्ट अतिथि के रूप में बेमेतरा जिले की पार्षद एवं समाजसेवी नीतू कोठारी रही। उन्होंने विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करते हुए कहा कि वर्ष में 3 माह के अंतराल में जरूरतमंदों के लिए रक्तदान जरूर करें। रक्तदान से हममें नई ऊर्जा का संचार होता है। शिविर में सहयोगी संस्था के रूप में वंदेमातरम सेवा संस्थान (छ.ग.) भारत एवं आशीर्वाद ब्लड बैंक रायपुर से रहे। विद्यार्थियों व शिक्षकों के रजिस्ट्रेशन व को-आर्डिनेशन में एनएसएस अधिकारी राजेश गजपाल एवं सहायक प्राध्यापक योगेश्वर सिन्हा, नंदनी वर्मा, रूपेंद्र डहरिया, श्रीयता तिवारी, अमित कुमार पटेल, श्रद्धा राजपूत, विनीता अग्रवाल, हरीश कुमार पटेल, शिवराज साहू, रेशमा पटेल व संतराम साहू ने अहम भूमिका निभाई। रक्तदान करने वाले प्रतिभागियों को महाविद्यालय व आशीर्वाद ब्लड सेंटर के प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

बच्चों ने शाला परिसर में मनाया संविधान दिवस

बेमेतरा। शासकीय हाई स्कूल (सेजेस हिंदी) एवं पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी में संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों सहित सभी बच्चों ने देश के संविधान की शपथ ली। प्रधान पाठक मीनाक्षी शर्मा ने बताया कि 26 नवंबर 1949 को देश की संविधान सभा ने मौजूदा संविधान को अपनाया था। इसलिए इस दिन की याद में हर साल देश में संविधान दिवस मनाया जाता है। प्राचार्य रामगोपाल चंद्राकर ने बताया कि संविधान तैयार करने में 2 वर्ष, 11 माह 18 दिन लगे थे। यह 26 नवंबर 1949 को पूरा हुआ और इसे अपनाया गया। इसके बाद 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ। साल 2015 में भारत सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया था। इस अवसर पर संकुल समन्वयक धनीराम बंजारे,सरस्वती साहू, शशिकला यादव, सरिता बंजारे, प्रतिभा, राजेश गायकवाड़, राजेश नामदेव, देवेंद्र साहू, नूतेश्वर चन्द्राकर व प्रशांत बघेल, किरण खरे, पूनम साहू उपस्थित रहे।

जिला अधिवक्ता संघ का छठवीं बार अध्यक्ष बने प्रणीश चौबे

बेमेतरा। जिला अधिवक्ता संघ बेमेतरा का छठवीं बार प्रणीश चौबे अध्यक्ष बने निर्वाचन प्रक्रिया समाप्त होते चौबे को शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी गई। जिला अधिवक्ता संघ बेमेतरा में द्विवार्षिक चुनाव वर्ष 2026-27 अधिवक्ताओं के द्वारा मतदान किया गया, जिसमें कुल 172 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, प्रत्याशियों को बुलाकर उनके सामने मत पत्रों की गणना प्रारंभ की गई। अध्यक्ष पद के लिए प्रणीश चौबे अधिवक्ता को कुल 105 मत प्राप्त हुआ, प्रभात शर्मा को कुल 65 मत प्राप्त हुआ, दो मत निरस्त हुआ।

प्रणीश चौबे को जिला अधिवक्ता संघ बेमेतरा का अध्यक्ष घोषित किया गया। प्रणीश चौबे लगातार 6वीं बार अध्यक्ष निर्वाचित हुए है। महिला उपाध्यक्ष पद हेतु सलमा शरीफ को निर्वाचित घोषित किया गया। उपाध्यक्ष पद हेतु विवेक पोल अधिवक्ता को कुल 98 मत प्राप्त हुआ एवं उनके प्रतिद्वंदी प्रदीप शर्मा को 74 मत प्राप्त हुआ, विवेक पोल को उपाध्यक्ष घोषित किया गया। सचिव पद हेतु दीपक तिवारी को 70 मत प्राप्त हुआ, अनिमेष मिश्रा को 22 मत प्राप्त हुआ, डिकेन्द्र देवांगन को 80 मत प्राप्त हुआ, डिकेन्द्र देवांगन को सचिव घोषित किया गया। क्रीड़ा सचिव पद हेतु केशव नामदेव को कुल 98 मत प्राप्त हुआ, इसके विपरीत रजनी पाण्डेय को 73 मत प्राप्त हुए, केवल नामदेव को क्रीड़ा सचिव घोषित किया गया। सहसचिव पद हेतु योगेश सिंह राजपूत को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। कार्यकारिणी सदस्य हेतु संजय भारती, सुरेन्द्र सिंह गुम्बर, राजेश कुमार मिरी, महेन्द्र प्रताप सिंह, फहीम शरीफ, विवेक तिवारी एवं सांस्कृतिक सचिव घनश्याम वर्मा, ग्रंथालय सचिव सुकांति दास, कोषाध्यक्ष हेतु आदित्य सिंह राजपूत को निर्वाचित घोषित किया गया। जिला अधिवक्ता संघ बेमेतरा में चुनावी प्रक्रिया 30.10.2025 से प्रारंभ हुआ था। जिला अधिवक्ता संघ बेमेतरा के निर्वाचन हेतु आर.डी. पटेल को मुख्य निर्वाचन अधिकारी बनाया गया था एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी मंगल देवदास एवं राहुल साहू को बनाया गया था। अधिवक्ता संघ का चुनाव निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।

जागरूकता कार्यक्रम में बैडटच व गुडटच की तालीम

यूनिसेफ व रासेयो का सुरक्षित पारा सुरक्षित लइकामन कार्यक्रम

डोंगरगांव नगर। यूनिसेफ एवं रासेयो छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम सुरक्षित पारा एवं सुरक्षित लइकामन के अंतर्गत दो ब्लॉक के ग्राम साल्हे घुघवा में शासकीय डॉ.बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव के रासेयो विद्यार्थियों ने विभिन्न विधाओं के माध्यम से जागरूकता प्रदर्शित की। प्राचार्य डॉ एके धमगाये के मार्गदर्शन तथा रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रियांकी गजभिए, डॉ आशाराम साहू के मार्गदर्शन में रासेयो के स्वयंसेवकों द्वारा गांव के लोगों को स्वास्थ्य, पोषण आहार, स्वच्छता, नशामुक्ति, गुडटच व बैडटच के बारे में नुक्कड़ नाटक, देशी खेल के माध्यम से जागरूक करने का प्रयास किया। बाल अधिकारों के संरक्षण अंतर्गत बाल श्रम का विरोध, शिक्षा के महत्व तथा नशा के दुष्प्रभाव अंतर्गत मानसिक असंतुलन, व्यवहार परिवर्तन पर रैली, नारा लेखन द्वारा संदेश प्रसारित किया गया।

स्वयंसेवकों ने प्राथमिक शाला तथा आंगनबाड़ी केंद्र में जाकर बच्चों को समस्त गतिविधि में शामिल कर इन विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उक्त कार्यक्रम में जिला संगठक मोनिका दास ने स्वयंसेवकों की सराहना की। प्राथमिक शाला की एचएम गार्गील चौधरी, शिक्षिका धनेश्वरी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हेमबाई साहू, अंजू पटेल ने सहयोग प्रदान किया। स्वयंसेवकों में आकाश बोरकर, सत्यम वैष्णव, रेशमी साहू, पुष्पांजलि माली सहित अन्य शामिल थे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दसरू को प्रदान की मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल

संतु बैगा को मिला वैशाखी का सहारा, उपमुख्यमंत्री का जताया आभार

कवर्धा। दिव्यांगजनों को स्वावलंबी बनाने और उन्हें दैनिक जीवन में सहजता प्रदान करने के उद्देश्य से उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विधायक कार्यालय में दो हितग्राहियों को सहायक उपकरणों का वितरण किया। जिसमें उन्होंने ग्राम पंचायत लब्दा के ग्राम जोकपानी निवासी दसरू सिंह मरकाम को मोटराइज्ड ट्रायसाइकिल प्रदान किया। मोटरचालित इस ट्रायसाइकिल से अब दसरू आवागमन एवं अन्य दैनिक कार्य आसानी से कर पाएंगे। उन्होंने उपमुख्यमंत्री शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग उनके जीवन में नई आशा और आत्मनिर्भरता का संबल बनेगा। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्राम झुरगी दादर के निवासी विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा से आने वाले संतु बैगा को एक जोड़ी बैसाखी प्रदान की गई। बैसाखी मिलने से संतु बैगा ने खुशी जताते हुए कहा कि अब वे दैनिक गतिविधियों में आसानी से बिना किसी के सहारे के स्वतंत्र रूप से कर सकेंगे।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी दिव्यांगजन सुविधा के अभाव में पीछे न रहे। सहायक उपकरण वितरण जैसी पहलें न केवल राहत देती हैं बल्कि लाभार्थियों में आत्मविश्वास भी बढ़ाती हैं। उन्होंने प्रशासनिक टीम को निर्देशित किया कि ऐसे पात्र लोगों को चिन्हित कर निरंतर सहयोग उपलब्ध कराया जाए। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एटीएम कार्ड बनाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला आरोपी पकड़ाया

रायपुर। रायपुर पुलिस ने भारतीय स्टेट बैंक का एटीएम कार्ड बनाने के नाम से धोखाधड़ी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने राजधानी के शंकर नगर निवासी एक व्यक्ति से नया एटीएम कार्ड बनाने के लिए पुराने कार्ड का अंतिम 6 अंक पुछकर उसके अकाउंट से 8 लाख रूपये निकाल लिये थे। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी शंकर निगर निवासी संजय साहनी ने गूगल सर्च इंजन के माध्यम से भारतीय स्टेट बैंक ऑफ़इंडिया का नया एटीएम कार्ड बनवाने के लिए सर्च किया था। गूगल सर्च में एक मोबाइल नंबर मिला जिससे संपर्क करने पर एक ऐप का लिंक भेजा उक्त ऐप को इंस्टॉल करवा कर पुराने एटीएम कार्ड का अंतिम 6 अंक पूछ कर प्रार्थी के बैंक खाता से 8 लाख निकाल लिए। रिपोर्ट पर थाना सिविल लाइन में धारा 318(4) बीएनएस, 66(सी),66(डी) आईटी एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना रेंज साइबर थाना रायपुर द्वारा की जा रही है। विवेचना कार्यवाही में गुगल, बैंक एवं मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनी से जानकारी प्राप्त कर तकनीकी विश्लेषण कर आरोपी की पहचान की गई। योजनाबद्ध तरीके से 24 परगना पश्चिम बंगाल में रेड कार्यवाही कर आरोपी अब्दुल्ला लश्कर पिता अरफॉत लश्कर उम्र 33 वर्ष नेत्रा उत्तर सेहरदहा साउथ 24 परगना पश्चिम बंगालको गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी अब्दुल्ला के विरुद्ध हरियाणा एवं उत्तराखंड में भी रिपोर्ट दर्ज है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ एवं मोबाइल से अन्य बैंक खाता की जानकारी मिली है जिनका विश्लेषण किया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा पर भेजा गया है।

लूट के मामले में फरार आरोपी पकड़ाया

रायपुर। रायपुर पुलिस ने लिफ्ट मांगने के बहाने चाकू दिखाकर बाईक सवार को लूटने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला आजाद चौक थानाक्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी नरेन्द्र ठाकुर ने थाना आजाद चौक में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह एम्स अस्पताल रायपुर में क्लर्क के पद पर कार्य करता है तथा दिनांक 17.11.2025 के शाम 6 बजे ड्यूटी से वापस जीई रोड से अपने घर सेमरिया अपने दोपहिया वाहन से जा रहा था कि राजुकमार कालेज के सामने किसी काम से रूका था इसी दौरान एक अज्ञात लडका प्रार्थी के दोपहिया वाहन के पास आकर उसे आगे तक छोड़ने हेतु कहा जिस पर प्रार्थी द्वारा उसे अपने दोपहिया वाहन के पीछे में बैठाकर पुरानी शराब भठठी आश्रम तिराहा के पास में छोड़ा तभी उक्त अज्ञात व्यक्ति द्वारा प्रार्थी के दोपहिया वाहन की चाबी वाहन से निकाल कर अपने पास रख लिया गया तथा प्रार्थी के साथ अश्लील गाली गलौच करते हुए अपने पास रखे चाकू को दिखाकर जान से मारने की धमकी देते हुए प्रार्थी के जेब में रखे नगदी रकम को लूट कर फरार हो गया था। जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना आजाद चौक में धारा 296, 351(2), 304(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन तथा थाना प्रभारी आजाद चौक के नेतृत्व में थाना आजाद चौक पुलिस की टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए घटना के संबंध में प्रार्थी तथा उसके आस-पास के लोगों से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात अरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल व उसके आसपास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाकर भी अज्ञात आरोपियों को चिन्हांकित करने के प्रयास किये जा रहे थे। इसी दौरान टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी की पहचान रतन उर्फ राज महानंद पिता धरमु महानंद उम्र 20 साल निवासी रामकुंड उडिया वस्ती थाना आजाद चौक के रूप में करते हुये आरोपी की पतासाजी कर गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट की नगदी रकम जप्त कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया। आरोपी पूर्व में आर्म्स एक्ट के प्रकरण जेल निरूद्ध रह चुका है।

घर पर लगाया गांजे का पेड़,आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले की साइबर सेल एवं थाना सिटी कोतवाली की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा अपने घर पर अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा का पेड़ लगाने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके घर से 15,000 कीमत मूल्य का 04 मीटर 75 सेमी. लंबाई, 22.560 वजनी किलोग्राम गांजा का पेड़ जप्त किया है। बता दें कि पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों, अवैध महुआ शराब बनाने वाले, जुआ सट्टा एवं मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने वाले अंवैधानिक तत्वों की धरपकड कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में मुखबिर सूचना पर दिनांक 25.11.2025 को साइबर सेल एवं थाना सिटी कोतवाली की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा ग्राम लटुवा में घेराबंदी कर अपने घर में अवैध मादक पदार्थ गांजा का पेड़ लगाने वाले आरोपी मकान मालिक विदेशराम साहू उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम डमरू को पकड़ा गया है। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा पहले आरोपी तथा घटनास्थल उसके घर का सुक्ष्मतापूर्वक निरीक्षण किया गया, जिसमें आरोपी के घर में लगे 04 मीटर 75 सेमी. लंबे, 22.560 किलोग्राम वजनी गांजा का पेड़ मिला जिसे विधिवत जप्त किया गया है।

विष्णु महायज्ञ चक्र पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

जशपुर जिले में शिल्पकारों के लिए स्थापित होगा ग्लेज़िंग यूनिट

- कुम्हारों को 100 इलेक्ट्रॉनिक चाक का वितरण
- कुम्हार समाज के मंगल भवन के विस्तार के लिए 25 लाख रुपए की घोषणा

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज जशपुर जिले के ग्राम नारायणपुर में कुम्हार समाज द्वारा आयोजित श्री विष्णु महायज्ञ एवं चक्र पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए और पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने इस अवसर पर ग्राम गोरिया में माटी कला बोर्ड के माध्यम से कुम्हारों के लिए ग्लेज़िंग यूनिट स्थापित करने तथा कुम्हार समाज के मंगल भवन के विस्तार के लिए 25 लाख रुपए की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सरगुजा संभाग के 100 कुम्हारों को इलेक्ट्रॉनिक चाक का भी वितरण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कुम्हार समाज द्वारा आयोजित श्री विष्णु महायज्ञ का यह पवित्र आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उदाहरण है। चक्र पूजा केवल मिट्टी के चाक की आराधना नहीं, बल्कि सृष्टि के निर्माण, परिश्रम, रचनात्मकता और मानव जीवन की निरंतरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कुम्हार समाज छत्तीसगढ़ी संस्कृति का अभिन्न अंग है। आप सभी मिट्टी की कला में सिद्धहस्त हैं। आपकी रचनात्मक मेहनत हमारे तीज-त्योहारों और धार्मिक अनुष्ठानों को जीवंत और पूर्णता प्रदान करती है। हमारी सरकार आपकी इस अनमोल विरासत के संरक्षण, संवर्धन और सशक्तिकरण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ माटी कला बोर्ड के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक चाक (इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील) का वितरण किया जा रहा है, जिससे मेहनत कम होगी, उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और उत्पादों को बेहतर फिनिशिंग मिलेगी। इससे बाजार में ऊँचा मूल्य मिलेगा और वर्षभर स्थिर आमदनी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि कारीगरों के प्रशिक्षण के लिए नई डिजाइन, आधुनिक तकनीक और उद्यमिता से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। हमारी सरकार कुम्हारों को वित्तीय सहायता भी प्रदान कर रही है, जिससे आप नए उपकरण खरीदकर अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकें। मार्केटिंग के लिए मेलों, प्रदर्शनियों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स का उपयोग बढ़ाया जा रहा है, जिससे आपकी कला पूरे देश में ही नहीं, बल्कि विदेशों तक पहुँच सके। उन्होंने छत्तीसगढ़ की माटी कला को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की अपील की। कार्यक्रम में वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, विधायक श्रीमती गोमती साय और श्रीमती रायमुनी भगत, पद्मश्री जागेश्वर यादव, माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष श्री शंभूराम चक्रवर्ती, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका अध्यक्ष जशपुर श्री अरविंद भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका जशपुर उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जूदेव, श्री कृष्ण कुमार राय, श्री विजय आदित्य प्रताप सिंह जूदेव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक बंधु और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

संविधान दिवस पर टाउन हॉल में गरिमामय कार्यक्रम संपन्न...

रायपुर/ संवाददाता

संविधान दिवस के अवसर पर आज टाउन हॉल, शास्त्री चौक में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा एवं उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के जयघोष के साथ बाबासाहब भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संविधान दिवस पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय की उपस्थिति में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया, जिसमें सभी अतिथियों, अधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने संविधान की महत्ता, उसके मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों पर प्रेरक उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों का आधार स्तंभ है। श्री साय ने कहा कि, आज सौभाग्य का विषय है कि हम सब 75वा संविधान दिवस मनाने एकत्र हुए हैं। आप सभी लोगों को संविधान दिवस की बहुत बधाई व शुभकामनाएं। देश का संविधान किताब नही, ग्रंथ है जो सभी भारतवासियों को स्वतंत्रता से जीने का अधिकार देता है और अपनी बातों को मर्यादा के साथ समाज के बीच रखने की स्वतंत्रता भी देता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, यह हमारे संविधान की महत्ता है कि एक सामान्य व्यक्ति भी देश के सर्वोच्च पद पर पहुँच सकता है। संविधान में आज सभी वर्गों के विकास की व्यवस्था समाहित है और सबका समुचित विकास हो रहा है। श्री साय ने संविधान निर्माण में छत्तीसगढ़ की भूमिका उल्लेखित करते हुए कहा कि, संविधान के निर्माण में पूरे देश के लोगों ने भाग लिया। हमारे छत्तीसगढ़ के गौरव पंडित रविशंकर शुक्ल, बैरिस्टर छेदीलाल और डॉ. घनश्याम गुप्ता भी समिति में शामिल थे।

मध्याह्न भोजन योजना की प्रगति पर जिला स्तरीय बैठक आयोजित

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (मध्याह्न भोजन) योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय संचालन एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक ली। बैठक में मध्यान्ह भोजन, न्योता भोजन और पोषण वाटिका की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर डॉ. सिंह ने लाभांवित बच्चों की संख्या बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने शालाओं में किचन गार्डन/पोषण वाटिका के विस्तार हेतु लौकी, पालक, धुरही, करेला, पोदीना, मिर्ची, टमाटर, धनिया और मुनगा के पौधे लगाने के निर्देश दिए। साथ ही एलपीजी गैस की उपलब्धता प्रति माह 25 प्रतिशत बढ़ाकर, गैस सिलेंडर से मध्यान्ह भोजन तैयार करने के निर्देश दिए गए। डॉ. सिंह ने बताया कि नवंबर माह में जिले की 658 शालाओं में 'न्योता भोजन' सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है।

आयोग के बीएलओ खुद दिग्भ्रमित जनता परेशान हो रही

भाजपा एसआईआर के नाम पर जनता को परेशान करवा रही है

- मोदी ने नोटबंदी के बाद एसआईआर को लेकर जनता को लाईन में लगा दिया दीपक बैज

रायपुर/ संवाददाता

मोदी नोटबंदी के समय जैसे जनता को लाईन में लगाया था वैसे ही एसआईआर के नाम पर एक बार फिर से जनता को अपनी मतदान बचाने लाईन में लगा दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार एसआईआर के नाम पर प्रदेश की जनता को परेशान कर रही है। आज हर आदमी अपना सब काम छोड़कर अपनी नागरिकता साबित करने तथा मतदाता सूची में अपना नाम बचाने की कवायद में लगा है। आयोग मतदाताओं को अनावश्यक परेशान कर रहा है, जो लोग दशकों से मतदान कर रहे है, उनको भी अपने आपको प्रमाणित करने के लिये मशक्कत करनी पड़ रही है। भाजपा अपनी राजनीति और सत्ता को बचाने के लिये सभी देशवासियो को लाईन में खड़ा कर दी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि चुनाव आयोग ने बिना प्रशिक्षण दिये ही आनन-फानन में आंगनबाड़ी सहायिकाओं और कार्यकर्ताओं को बीएलओ बनाकर फील्ड में भेज दिया है। आयोग के बीएलओ खुद फार्म की जानकारियों के बारे में दिग्भ्रमित है, जिसके कारण भी मतदाता प्रपत्र नहीं भर पा रहे है। विवाहिता स्त्री के मामले में आयोग की नियमावली में पिता-माता के 2003 के मतदाता सूची को आधार माना गया है, लेकिन जानकारी के आभाव में आयोग के बीएलओ अधिकांश मतदाताओं से उनके पति की जानकारी को भरकर प्रपत्र स्वीकार कर लिया है।

एक लोटा जल सारी समस्या का हल-पंडित प्रदीप मिश्रा...

रायपुर/ संवाददाता

॥ शिवाय नमस्तुभ्यं॥ हर हर महादेव ॥ कुदकेश्वर कोपेश्वर महादेव की कृपा से अंतराष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले का सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन 26 नवंबर से 2 दिसम्बर तक ग्राम कच्चे में आयोजित की जा रही है। मुख्य यजमान जितेंद्र जायसवाल राजकुमारी जायसवाल आयोजनकर्ता समस्त ग्रामवासी कच्चे एवं क्षेत्रवासी के द्वारा किया गया।कथा सुनने के लिए नगर सहित क्षेत्र से लाखों भक्त पंडाल में मौजूद रहे वही। व्यवस्था को लेकर जिला एवं स्थानीय प्रशासन मुस्तेद रहे आवागमन को डायवर्ट किया गया है। कथा के पहले दिवस पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि एक लोटा जल सारी समस्याओं का हल है। सुबह किये गए प्रार्थना एवं शाम को की गई आरधना कभी ब्यर्थ नही जाता है जीवन बदल देती है। उसका फल मिलता मानव को जरूर मिलता हैं। रविदास जैसे भक्ति होनी चाहिए ईश्वर उसके पास आकर प्यासे भक्त रविदास को स्वयं मां गंगा स कटौती में प्रगट भक्त रविदास को पानी पिलाया। कहने का तात्पर्य यह है कि ईश्वर को पाने के लिए लोग इधर उधर भटकते रहते है, जबकि बाबा तो उनके पास ही रहता है। बस सच्चे मन से पुकारने की आवश्कता है।आपके सभी कार्य बन जाएंगे। पराये धन पराई नारी दोनों ही जीवन को बर्बाद कर देते है। इसलिए गलत संगत से दूर रहना चाहिए। प्रदोष काल के महत्व को बताते हुए प्रदीप महाराज ने बताया कि प्रदोष काल मे की हुई आराधना कभी ब्यर्थ नही जाता है। प्रदोष काल के समय बाबा के नाम से दीप व स्तुति साधना करने से निश्चित ही करोड़ो पूण्य जीवन मे मिलता वही सारी पाप को बाबा समाप्त हो जाती है। कथा स्थल का महत्व वर्णन करते हुए महाराज जी ने बताया कि जहाँ पर कथा होती है वह स्थान कैलाश धाम हो जाता है। यदि भक्त यहा कि मिट्टी को भी अपने शरीर मे स्पर्श करता है तो सारे दुख मिट जाते है। आज प्रत्येक इंसान कोई न कोई बात व शरीर को लेकर दुखी है। मात्र परमात्मा का भजन व आराधना करने वाले ही आज इंसान सुखी रहता है। इसलिए सभी भक्तों को बाबा के आरधना व पूजन करना चाहिए।

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के प्रभारी सचिव पीएस एल्मा ने धान उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण

रायपुर। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के प्रभारी सचिव एवं संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग पीएस एल्मा द्वारा आज एक दिवसीय प्रवास पर पहुंचे। इस दौरान कलेक्टर तुलिका प्रजापति भी उपस्थित रहीं। प्रभारी सचिव पीएस एल्मा ने अपने प्रवास के दौरान ग्राम खरदी के धान उपार्जन केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके पश्चात ग्राम एकटकन्हार धान उपार्जन केंद्र पहुंचे। उन्होंने नमी मापक यंत्र के माध्यम से धान की नमी, स्टेकिंग एवं तौल का अवलोकन किया। बारदाना की जानकारी पर समिति प्रबंधन ने बताया कि उपार्जन केंद्र में पर्याप्त बारदाना उपलब्ध है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि किसानों के धान परिवहन वाहनों का गेट पास भी किया जा रहा है। मौके पर उन्होंने धान बेचने आए ग्राम करमोता निवासी कृषक श्री राजेंद्र से चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कृषक ने बताया कि उनके पास 12 एकड़ कृषि जमीन है एवं टोकन प्राप्त होने के बाद वर्तमान में आधा ही धान विक्रय के लिए पहुंचे है। उपार्जन केंद्र में किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर जीआर मरकाम, एसडीएम मोहला हेमेन्द्र भुआर्य सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में चल रहा जीवन रक्षा मिशन

- नारायणपुर के कस्तूरमेटा से सुकमा के दुलेड़ के दुर्गम इलाकों में स्वास्थ्य शिविरों से मिल रही बड़ी राहत
- 1324 ग्रामीणों का मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने किया स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर संभाग के माओवाद प्रभावित और अत्यंत दुर्गम इलाकों नारायणपुर, सुकमा और बीजापुर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विशेष स्वास्थ्य शिविरों ने आशा और सेवा की नई राह बनाई है। सुरक्षा चुनौतियों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों को पार करते हुए इन शिविरों का सफल आयोजन ग्रामीणों के लिए जीवन-रक्षक साबित हुआ। इस अभियान में रायपुर मेडिकल कॉलेज, डिमरापाल मेडिकल कॉलेज और कांकेर मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ मेडिकल छात्र-छात्राओं ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। इन शिविरों में चिकित्सकों की टीमों ने हजारों की आबादी वाले अंदरूनी गांवों में पहुँचकर स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार और जागरूकता सेवाएं प्रदान कीं। नारायणपुर जिले के ईरकभट्टी, बेड़माकोटी, कस्तूरमेटा और कांदुलपार, सुकमा जिले के दुलेड़, लखापाल, और बीजापुर जिले के गूंजेपर्ती, पुतकेल, कोंडापल्ली और मुतवेंडी जैसे बेहद संवेदनशील क्षेत्रों में इन शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से कुल 1324 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और सभी को निःशुल्क दवाइयाँ व उपचार उपलब्ध कराया गया। संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं बस्तर डॉ. महेश शांडिल्य ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार इन शिविरों का उद्देश्य दूरस्थ वंचित ग्रामीणों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है। आवश्यकता अनुसार मरीजों को उच्च संस्थानों में रेफर भी किया गया। इन शिविरों में नारायणपुर में 367, सुकमा में 318, बीजापुर में 639 ग्रामीणों की ओपीडी जांच की गई। जिसमें 83 मलेरिया पॉजिटिव मामले प्राप्त हुए जिनका तत्काल उपचार प्रारम्भ किया गया। इसके साथ ही 207 की टीबी जांच, 464 ग्रामीणों की सिकलसेल व एनीमिया स्क्रीनिंग, 212 ग्रामीणों की नेत्र जांच के साथ 129 ग्रामीणों के लिए नवीन आयुष्मान कार्ड का निर्माण किया गया है। अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में इन स्वास्थ्य शिविरों का सुरक्षाबलों के सहयोग और स्वास्थ्य अमले के दृढ़ संकल्प से सफल आयोजन की उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सराहना की। उन्होंने कहा कि यह अभियान शासन और प्रशासन की बस्तर के आखिरी छोर में ग्रामीणों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने के अपने संकल्प पर दृढ़ता को दर्शाता है।

अंतागढ़-नारायणपुर क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग हुई पूरी

अंतागढ़-नारायणपुर 46 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क उन्नयन के लिए भूमिपूजन किया गया.....

- 137 करोड़ रूपए की लागत से होगा उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण
- मंत्री श्री केदार कश्यप, सांसद श्री भोजराज नाग और विधायक श्री विक्रम उसेण्डी ने किया भूमिपूजन

रायपुर/ संवाददाता

अंतागढ़-नारायणपुर क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग को सरकार ने पूरी कर दी है। वन, पर्यावरण, सहकारिता एवं परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप के मुख्य आतिथ्य में 46 किलोमीटर लंबी इस सड़क के उन्नयन कार्य का आज ग्राम ताड़ोकी में आयोजित कार्यक्रम में भूमिपूजन किया गया। इस सड़क निर्माण के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 136 करोड़ 77 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। भूमिपूजन समारोह की अध्यक्षता विधायक अंतागढ़ श्री विक्रमदेव उसेण्डी द्वारा की गई तथा सांसद कांकेर श्री भोजराज नाग विशेष रूप से कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि यह सड़क क्षेत्र के नागरिकों के लिए जीवनरेखा साबित होगी। इस सड़क निर्माण के लिए लंबे समय से मांग की जा रही थी, जो आज पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि इस सड़क के मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य को समय सीमा में पूरा करने के लिए संबंधित निर्माण एजेंसी तथा विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रदेश में तीव्र गति से विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस समय विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराया जा रहा है, जिसमें सभी मतदाताओं को जिन्हें बीएलओ द्वारा फार्म उपलब्ध कराए गए हैं, वे उसे भरकर समय-सीमा में बीएलओ के पास जमा करावें।

संपादकीय

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का दबाव

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद अब अन्य राज्यों में भी इस प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं। मगर इन सवालों में अब बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की व्यस्तता और सीमा का मसला भी जुड़ गया है। चुनाव आयोग की ओर से इन अधिकारियों पर जरूरत से ज्यादा दबाव बनाने के आरोप लग रहे हैं। कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं, जिसका विरोध भी हो रहा है। विपक्षी दल आरोप लगा रहे हैं कि चुनाव आयोग की यह कवायद मतदाता सूची में सुधार नहीं, बल्कि अत्याचार का जरिया बन गया है।काम के दबाव के कारण संबंधित अधिकारियों का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है और कुछ को अस्पताल में भर्ती होना पड़ रहा है। हालांकि, आयोग का तर्क है कि कुछ अधिकारी इस प्रक्रिया में जानबूझकर लापरवाही बरत रहे हैं। यह सही है कि निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव कराने के लिए मतदाता सूचियों में सुधार जरूरी है। मगर सवाल है कि क्या इस कार्य से जुड़े अधिकारियों पर वास्तव में अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है? अगर ऐसा है तो चुनाव आयोग इस परेशानी को नजरअंदाज क्यों कर रहा है?बिहार के बाद बारह राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में चार नवंबर से विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू किया गया है, जो चार दिसंबर तक चलेगा। इनमें छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल तथा अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप और पुडुचेरी शामिल हैं। इस प्रक्रिया का जिम्मा मुख्य तौर पर बूथ स्तरीय अधिकारियों को सौंपा गया है। कई राज्यों में इन अधिकारियों की शिकायत है कि उनके पास काम का बोझ बढ़ गया है और उन पर अत्यधिक दबाव बनाया जा रहा है। वहीं आम लोग भी अपनी परेशानियों के लिए इनसे ही जवाब मांगते हैं।पश्चिम बंगाल में बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों ने सोमवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया। उनकी मांग थी पुनरीक्षण की समय सीमा बढ़ाई जाए, ताकि उन्हें काम के दबाव से राहत मिल सके। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से बूथ स्तरीय अधिकारियों का स्वास्थ्य खराब होने और अस्पताल में भर्ती होने की खबरें भी आ रही हैं। ऐसे में चुनाव आयोग का दायित्व है कि वह इन अधिकारियों को पेश आ रही दिक्कतों का कोई हल निकाले।बूथ स्तरीय अधिकारियों का संगठन और विपक्षी दल यह सवाल भी उठा रहे हैं कि विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग जल्दबाजी क्यों कर रहा है। जिस कार्य के लिए दो-तीन माह की जरूरत है, उसे पूरा करने के लिए सिर्फ एक माह की समय सीमा क्यों तय की गई है?

ड्रग्स माफिया केवल एक आपराधिक व्यापार नहीं, बल्कि मानव समाज की जड़ों को खोखला करने वाला वैश्विक संकट है। नशे का कारोबार सीमाओं, कानूनों और नैतिक मूल्यों-तीनों को धत्ता बताकर फैल रहा है। यह न केवल युवाओं के भविष्य को निगल रहा है, बल्कि देशों की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और आर्थिक व्यवस्था को भी कमजोर कर रहा है। इसलिए ड्रग्स माफिया का खतरा अब केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। दुनिया भर में नशे का अवैध व्यापार एक विशाल संगठित नेटवर्क के रूप में विकसित हो चुका है, जिसमें माफिया, कार्टेल, हथियार गिरोह, आतंकवादी संगठन और भ्रष्ट तंत्र की गहरी सांठगांठ शामिल है। यह नेटवर्क इतना शक्तिशाली है कि कई देशों में यह समानान्तर सत्ता जैसा व्यवहार करता है। अफगानिस्तान, मैक्सिको, कोलंबिया, म्यांमार, नाइजीरिया, रूस और यूरोप तथा एशिया के अनेक हिस्सों में ड्रग्स कार्टेलों ने शासन प्रणालियों को चुनौती दी है। अनेक जगह तो स्थितियां ऐसी बन जाती हैं कि सरकारें या तो इस लड़ाई में कमजोर पड़ जाती हैं या फिर समझौते करने को मजबूर हो जाती हैं।

जी-20 शिखर सम्मेलन में नरेंद्र मोदी के सुझावों की रोशनी

(ललित गर्ग)

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में साफ कहा कि दुनिया के बड़े राष्ट्रों को ड्रग-माफिया और उसके आतंकवाद से जुड़े वित्तीय नेटवर्क के खिलाफ एकजुट होकर निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। दुनिया आज जिस गति से नए-नए मादक पदार्थों के जाल में फंसती जा रही है, वह वैश्विक चिंता और भी बढ़ाता है।

जी-20 शिखर सम्मेलन का उद्घाटन सत्र इस बार जिस गंभीर मुद्दे पर केन्द्रित रहा, वह दुनिया के सामने उभरते खतरों की बदलती प्रकृति को स्पष्ट करता है। भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के साथ-साथ ड्रग तस्करी को भी वैश्विक शांति, सुरक्षा और मानव अस्तित्व के लिए उतना ही घातक बताया जितना किसी संगठित हिंसा को माना जाता है। उनकी यह चेतावनी केवल कूटनीतिक वक्तव्य नहीं बल्कि बढ़ती वैश्विक वास्तविकताओं का सटीक विश्लेषण है। यह तथ्य अब निर्विवाद है कि मादक पदार्थों की तस्करी आतंकवाद को ईंधन प्रदान करने वाला सबसे बड़ा स्त्रोत बन चुकी है। अरबों डॉलर का यह अवैध व्यापार केवल अपराध जगत को नहीं बल्कि राष्ट्रों की सुरक्षा, समाज की स्थिरता और युवाओं के भविष्य को भी चूर-चूर कर रहा है।

मोदी ने अपने संबोधन में साफ कहा कि दुनिया के बड़े राष्ट्रों को ड्रग-माफिया और उसके आतंकवाद से जुड़े वित्तीय नेटवर्क के खिलाफ एकजुट होकर निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। दुनिया आज जिस गति से नए-नए मादक पदार्थों के जाल में फंसती जा रही है, वह वैश्विक चिंता और भी बढ़ाता है। फेंटानाइल जैसे अत्यंत खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स ने अमेरिका में स्वास्थ्य-संकट की भयावह स्थिति पैदा कर दी है, जहां प्रतिदिन अनेक लोग इसके कारण जान गंवा रहे हैं। यह संकट किसी एक देश की समस्या नहीं, बल्कि मानव जीवन पर मंडरा रहा एक वैश्विक खतरा है। यह मानना भूल होगी कि ऐसे ड्रग्स केवल एक महाद्वीप तक सीमित रह सकते हैं; संगठित तस्करी के नेटवर्क इसकी पहुंच दुनिया के किसी भी कोने तक ले जा सकते हैं। यही कारण है कि मोदी ने चेताया कि यदि अभी निर्णायक कार्रवाई नहीं हुई, तो यह त्रासदी अन्य देशों में भी फैल सकती है। ड्रग्स माफिया केवल एक आपराधिक व्यापार नहीं, बल्कि मानव समाज की जड़ों को खोखला करने वाला वैश्विक संकट है। नशे का कारोबार सीमाओं, कानूनों और नैतिक मूल्यों-तीनों को धत्ता बताकर फैल रहा है। यह न केवल युवाओं के भविष्य को निगल रहा है, बल्कि देशों की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और आर्थिक व्यवस्था को भी कमजोर कर रहा है। इसलिए ड्रग्स माफिया का खतरा अब केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। दुनिया भर में नशे का अवैध व्यापार एक विशाल संगठित नेटवर्क के रूप में विकसित हो चुका है, जिसमें माफिया, कार्टेल, हथियार गिरोह, आतंकवादी संगठन और भ्रष्ट तंत्र की गहरी सांठगांठ शामिल है। यह नेटवर्क इतना शक्तिशाली है कि कई देशों में यह समानान्तर सत्ता जैसा व्यवहार करता है। अफगानिस्तान, मैक्सिको, कोलंबिया, म्यांमार, नाइजीरिया, रूस और यूरोप तथा एशिया के अनेक हिस्सों में ड्रग्स कार्टेलों ने शासन प्रणालियों को चुनौती दी है। अनेक जगह तो स्थितियां ऐसी बन जाती हैं कि सरकारें या तो इस लड़ाई में कमजोर पड़ जाती हैं या फिर समझौते करने को मजबूर हो जाती हैं। मोदी ने इस पर नियंत्रण के लिये दुनिया को एकजुट होने की आवश्यकता व्यक्त की।

जी-20 देशों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे ड्रग्स के अवैध उत्पादन, वितरण, ऑनलाइन डार्क-नेट व्यापार, क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाले भुगतान और सीमा-पार तस्करी पर न केवल नियंत्रण करें बल्कि इसके खिलाफ साझा रणनीति

भी अपनाएं। मोदी ने इस दिशा में कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए-प्रत्येक देश में अवैध वित्तीय गतिविधियों पर कड़ा नियंत्रण, एआई के दुरुपयोग को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास, डेटा साझाकरण को बढ़ावा, तकनीकी सहयोग को सुदृढ़ करना तथा डिजिटल और साइबर अपराधों के विरुद्ध नई वैश्विक नीति बनाना। एआई का दुरुपयोग आज केवल गलत सूचना फैलाने या साइबर अपराध तक सीमित नहीं रहा; उसके माध्यम से ड्रग्स की ऑनलाइन बिक्री, नकली पहचान, एन्क्रिप्टेड चैनल और तस्करों के गुप्त नेटवर्क को चलाने में भी व्यापक उपयोग होने लगा है। इस पर रोक अब सामूहिक प्रयासों के बिना संभव नहीं।

इस वर्ष का जी-20 शिखर सम्मेलन अमेरिका की अनुपस्थिति के बावजूद काफी सफल माना गया। यह सफलता केवल उपस्थिति की संख्या में नहीं बल्कि चर्चाओं की गुणवत्ता, मुद्दों की गंभीरता और लिए गए निर्णयों के ठोस स्वरूप में दिखाई दी। बड़े देशों का एक-दूसरे से समन्वय और वैश्विक चुनौतियों को लेकर स्पष्टता इस सम्मेलन की बड़ी उपलब्धि रही। दुनिया का बदलता भू-राजनीतिक वातावरण, यूक्रेन और मध्य-पूर्व जैसे संघर्ष, आर्थिक अनिश्चितताएं और ग्लोबल साउथ की महत्वाकांक्षाएं-इन सबके बीच भी यह सम्मेलन शांत, रचनात्मक और समाधान-उन्मुख रहा। यह संकेत है कि दुनिया के राष्ट्र अब प्रतिस्पर्धा से ज्यादा सहयोग को प्राथमिकता देने लगे हैं। ड्रग-तस्करी और आतंकवाद जैसे मुद्दे किसी भी देश की सीमाओं में बंधे नहीं रह सकते; इसलिए उनका समाधान भी सीमाओं के पार सहयोग से ही संभव है।

मोदी के सुझावों का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि भारत लंबे समय से सीमा-पार आतंकवाद का शिकार रहा है और दक्षिण एशिया में ड्रग-तस्करी का एक बड़ा ट्रांज़िट-पॉइंट भी बनता रहा है। भारत ने तकनीक, कानून और कूटनीति-तीनों स्तरों पर इस खतरे से मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनसे दुनिया सीख सकती है। भारत का अनुभव बताता है कि ड्रग-नेटवर्क को समाप्त करने के लिए तीन मोर्चों पर काम करना अत्यंत आवश्यक है-कड़ी सीमा निगरानी, सोशल-मीडिया एवं एआई आधारित निगरानी तंत्र को मजबूत करना, और युवाओं में नशामुक्ति एवं जागरूकता को बढ़ाना। केवल कानून पर्याप्त नहीं; सामाजिक-मानसिक जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है।

जी-20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय, प्रभावशाली और केंद्रीय उपस्थिति ने एक बार फिर सिद्ध किया कि वे आज वैश्विक परिदृश्य के सबसे सशक्त, निर्णायक और भरोसेमंद नेताओं में अग्रणी हैं। अमेरिका की अनुपस्थिति के बावजूद विश्व मंच पर नेतृत्व का जो शून्य बन सकता था, उसे मोदी ने अपने संयमित, दूरदर्शी और कूटनीतिक करिश्मे से भर दिया। ड्रग-तस्करी, आतंकवाद, एआई के दुरुपयोग, वैश्विक अर्थव्यवस्था, ग्लोबल साउथ और मानव-कल्याण जैसे विविध मुद्दों पर उनकी स्पष्ट दृष्टि और व्यावहारिक समाधान ने दुनिया को यह विश्वास दिलाया कि भारत न केवल उभरती शक्ति है बल्कि स्थिर और सकारात्मक दिशा दिखाने वाला पथ-प्रदर्शक भी है। उनकी उपस्थिति ने यह भी रेखांकित किया कि बदलती वैश्विक राजनीति में जहां कई राष्ट्र आंतरिक संघर्षों और नीतिगत अनिश्चितताओं से जूझ रहे हैं, वहीं भारत एक विश्वसनीय, स्थिर और दूरदर्शी नेतृत्व प्रस्तुत कर रहा है। मोदी का यह उभार केवल भारत की प्रतिष्ठा को ऊंचा नहीं उठाता बल्कि दुनिया को एक ऐसे नेतृत्व का विकल्प देता है जो विकास, शांति, सुरक्षा और वैश्विक सहयोग के नए मॉडल को आगे बढ़ा सकता है और यही आज की दुनिया के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की एकात्म मानववाद के दर्शनशास्त्र को वैश्विक विकास के भविष्य में महत्वपूर्ण बताते हुए दुनिया से इसे अपनाने की अपील की। मोदी ने पारंपरिक ज्ञान, स्वास्थ्य क्षेत्र, क्रिटिकल मिनरल्स, सैटेलाइट डेटा एक्सेस, अफ्रीका में क्षमता निर्माण और ड्रग-टेरर नेटवर्क के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। उनका कहना था कि इससे दीर्घकालिक शांति, मज़बूती और सतत विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के अध्यक्षता की प्रशंसा की, जिसने कौशल आधारित प्रवासन, पर्यटन, खाद्य सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने यह भी बताया कि नई दिल्ली जी-20 शिखर सम्मेलन में लिए गए कई ऐतिहासिक निर्णयों पर आगे कार्य हो रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन का संकेत स्पष्ट है: दुनिया अब नए खतरे पहचान रही है और उन पर सामूहिक कार्रवाई के लिए तैयार भी हो रही है। आतंकवाद और ड्रग-तस्करी के गहरे रिश्ते को तोड़ना वैश्विक शांति के लिए अनिवार्य है। यदि आर्थिक, स्वास्थ्य और सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षित समाज बनाना है, तो ड्रग-पर नियंत्रण करना ही होगा। दुनिया की बढ़ती असुरक्षा का मुकाबला केवल हथियारों से नहीं, बल्कि जागरूकता, संयम, शिक्षा और संवेदनशीलता से होगा। जब तक हम नशे के इस वैश्विक खतरे को एक सामूहिक लड़ाई न मानें, तब तक सुरक्षा केवल एक भ्रम बनी रहेगी। समाज को नशे के खिलाफ खड़ा करना आज समय की बड़ी मांग है-क्योंकि यह केवल एक अपराध के खिलाफ संघर्ष नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य देने का संकल्प है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जब प्रयास नहीं, प्रवाह जीवन बदलता है

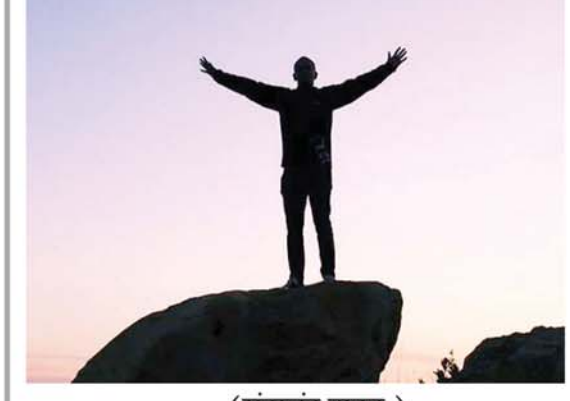

(सुंदरचंद ठाकुर)

मनुष्य की सबसे बड़ी भूल यही है कि वह हर काम को बहुत मेहनत, बहुत तनाव और बहुत दबाव के साथ करने को ही सफलता मान लेता है। हम मान लेते हैं कि जितना अधिक हम खुद को धकेलेंगे, उतना ही जीवन में आगे बढ़ेंगे। पर सच्चाई यह है कि अत्यधिक दबाव मन की शक्ति को कम करता है, ध्यान को बिखेरता है और रचनात्मकता को मार देता है। जिस व्यक्ति का मन भारी हो जाता है, वह स्थिति पर पकड़ तो चाहता है, पर पकड़ ढीली ही पड़ती जाती है।

कभी आपने शेर को शिकार करते देखा है? वह दौड़ते हुए नहीं थकता, वह धीरज से चलता है। वह तनाव में नहीं रहता, वह सजग रहता है। उसकी चाल में एक शांत आक्रामकता होती है, एक ऐसी शांति जो ऊर्जा को क्षीण नहीं होने देती। यह शांत शक्ति ही उसकी जीत का रहस्य है। मनुष्य भी तभी अपने चरम क्षमता पर काम करता है, जब वह शांत बने रहते हुए तीव्र मानसिक ऊर्जा में होता है। इसी को हम प्रवाह की अवस्था यानी फ्लो स्टेट कहते हैं।

जब मन पर दबाव होता है, तो विचार एक दूसरे से टकराने लगते हैं। निर्णय अस्पष्ट हो जाते हैं। शरीर थक जाता है, और कार्य बोझ जैसा लगने लगता है। यह अवस्था हमें लक्ष्य से दूर ले जाती है। हम जितना धक्का देते हैं, मन उतना ही थककर बैठ जाता है। यह विडंबना है कि जो व्यक्ति बड़ी उपलब्धियों का स्वप्न देखता है, यदि वह यही सोचता रहे कि ज्यादा दबाव से ही बड़े काम होते हैं, तो वह अपनी राह स्वयं कठिन बना लेता है।

सच्ची सफलता का आधार दबाव नहीं, बल्कि स्पष्टता है। और स्पष्टता तभी आती है जब मन शांत हो। जब मन के भीतर अनावश्यक हलचल कम हो जाती है, तब सोच गहरी होती है। तब निर्णय सहज आते हैं। तब बड़ी समस्याएं भी एक सुलझी हुई दृष्टि से देखी जाती हैं। कार्य जितना भी कठिन हो, यदि मन शांत है, तो वह बोझ नहीं लगता। लेकिन यदि मन उलझा है, तो साधारण काम भी पर्वत जैसा लगने लगता है।

सहजता किसी आलस्य का नाम नहीं है। सहजता वह अवस्था है जहां मन पूरी तरह उपस्थित रहता है, बिना किसी दबाव के। काम वही है, लक्ष्य वही है, रास्ता वही है पर करने का ढंग बदल जाता है। जैसे जल बहता है बिना शोर, बिना संघर्ष, पर अपनी क्षमता से पत्थरों को काटता हुआ आगे बढ़ता है। जब हम प्रयास करते हैं, तो मन भारी होता है। पर जब हम प्रवाह में होते हैं, तो मन हल्का हो जाता है। और हल्का मन ही रचनात्मक होता है। हल्का मन ही जटिल स्थितियों में भी नए रास्ते खोजता है। हल्का मन ही सीखता है, समझता है और जीवन के अनिश्चित समय में भी स्थिर रह सकता है।

यह प्रवाह की अवस्था यूं ही नहीं आती, इसके तीन आधार हैं। पहला, शरीर को धीमी और गहरी सांसों से संतुलित करना। दूसरा, मन को केवल उसी क्षण में टिकाना जिसमें हम हैं और तीसरा, परिणाम की चिंता छोड़कर केवल कर्म को सम्मान देना। जब व्यक्ति इन तीनों का अभ्यास करता है, तब उसका काम बोझ नहीं, साधना बन जाता है। और जब काम साधना बन जाए, तब चिंता स्वतः ही समाप्त हो जाती है। समय के साथ आप पाएंगे कि वह काम जिसे कभी आप संघर्ष समझते थे, अब सहज हो गया है। वह तनाव जिसे आप अपरिहार्य मानते थे, अब गायब है। और वह रचनात्मकता जो कभी भीतर दब गई थी, अब उजागर हो रही है।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आत्मनिर्भर भारत का सबसे बड़ा उत्सव है ट्रेड फेयर

यह वह मंच है, जहां भारत अपने भीतर छिपी विशाल संभावनाओं, विविधताओं और नवाचारों को दुनिया के सामने पूरी ऊर्जा और भव्यता के साथ प्रस्तुत करता है। इस वर्ष आयोजित किया जा रहा 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला कई मायनों में अत्यंत खास है। यह केवल खरीदारी का मौका नहीं बल्कि हर आगंतुक के लिए सीख, अनुभव, मनोरंजन और वैश्विक सामंजस्य का अनूठा संगम बन चुका है। 'एक भारत, श्रेष्ठभारत' की थीम के साथ यह आयोजन देश की सांस्कृतिक एकता, तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भरता की भावना और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को नई पहचान देता है।

(योगेश कुमार गोयल)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस मेले को 'आत्मनिर्भर भारत का उत्सव' कहना अपने आप में इस आयोजन की महत्ता को दर्शाता है। यह वास्तव में वही स्थान है, जहां भारत दुनिया से मिलता है, दुनिया भारत को समझती है और दोनों मिलकर नए विचारों और नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। 14 नवंबर से 27 नवंबर 2025 तक दिल्ली के प्रगति मैदान में 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला भव्य रूप में आयोजित हो रहा है। साल दर साल यह मेला न केवल देश के व्यापार को बढ़ावा देता है बल्कि भारत की विविध संस्कृति, कला, तकनीक और नवाचार को भी दुनिया के साथ साझा करने का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। प्रगति मैदान में हर वर्ष लगने वाला यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला देश की आर्थिक, सांस्कृतिक और तकनीकी प्रगति का जीवंत उत्सव है। यह वह मंच है, जहां भारत अपने भीतर छिपी विशाल संभावनाओं, विविधताओं और नवाचारों को दुनिया के सामने पूरी ऊर्जा और भव्यता के साथ प्रस्तुत करता है। इस वर्ष आयोजित किया जा रहा 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला कई मायनों में अत्यंत खास है। यह केवल खरीदारी का मौका नहीं बल्कि हर आगंतुक के लिए सीख, अनुभव, मनोरंजन और वैश्विक सामंजस्य का अनूठा संगम बन चुका है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की थीम के साथ यह आयोजन देश की सांस्कृतिक एकता, तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भरता की भावना और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को नई पहचान देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस मेले को 'आत्मनिर्भर भारत का उत्सव' कहना अपने आप में इस आयोजन की महत्ता को दर्शाता है। यह वास्तव में वही स्थान है, जहां भारत दुनिया से मिलता है, दुनिया भारत को समझती है और दोनों मिलकर नए विचारों और नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

यही कारण है कि यह मेला दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा बी2बी और बी2सी मंच बन चुका है, जहां कारोबार, तकनीक, परंपरा, निवेश, नवाचार और संस्कृति सब एक ही स्थान पर आकार लेते हैं। इस वर्ष मेले में 11 देशों ने भागीदारी की है, जिनमें चीन, थाईलैंड, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, तुर्किये, मिस्र, लेबनान, ईरान, यूएई, स्वीडन और ट्यूनीशिया शामिल हैं। इन देशों की भागीदारी न केवल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधों को मजबूत बनाती है बल्कि भारत के युवाओं, उद्यमियों और उद्योगों के लिए सीखने और सहयोग के नए द्वार खोलती है।

विदेशी स्टॉलों पर तकनीक, फैशन, कृषि, इलैक्ट्रॉनिक्स, कला, होम डेकोर और जीवनशैली से जुड़े उत्पादों का ऐसा अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है, जो किसी भी आगंतुक को वैश्विक बाजारों की ताजा हलचल और रुझानों से जोड़ देता है। भारत के राज्यों की भागीदारी इस मेले की सबसे बड़ी विशेषता है क्योंकि यहां देश की सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता एक ही छत के नीचे साकार होती है। इस बार बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र पार्टनर स्टेट हैं जबकि झारखंड को 'फोकस स्टेट' का विशेष दर्जा दिया गया है। इन राज्यों के मंडपों में कला, लोककला, परंपरागत शिल्प, कृषि आधारित नवाचार, औद्योगिक प्रगति, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्टार्टअप इकोसिस्टम और सरकारी योजनाओं की झलक मिलती है।

यह वह मौका है, जब आगंतुक केवल देखते नहीं बल्कि समझते भी हैं कि भारत की सच्ची ताकत उसकी विविधता में है और यही विविधता उसे वैश्विक मंच पर सबसे अलग बनाती है। मेले के हॉलों में इस बार अत्याधुनिक तकनीक से लेकर परंपरागत कला तक सब कुछ देखने को मिलेगा। इलैक्ट्रॉनिक्स, साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप इनोवेशन, वस्त्र, मसाले, हस्तशिल्प, एमएसएमई उत्पाद, खादी और ग्रामीण विकास से जुड़े हजारों उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। हॉल 8, 9 और 10 में 'सरस मेला' देशभर की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का बड़ा अवसर देता है। यहां ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट) की झलक भी देखने को मिलती है, जो स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग, आयुष मंत्रालय, रेलवे, आरबीआई, एलआईसी, एनसीईआरटी, पीएमबीआई और कई अन्य प्रमुख सरकारी संस्थाएं भी इस मेले में अपने नवाचार और सेवाओं के माध्यम से देश की प्रगति को दर्शाती हैं। यह मेला वास्तव में भविष्य की दिशा दिखाता है, एक ऐसा भारत, जो परंपरा को भी संभाले हुए है और आधुनिक तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। इस मेले की एक और खासियत इसका सांस्कृतिक वैभव है। रोजाना विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सांस्कृतिक कार्यक्रम खुले मंचों पर प्रस्तुत किए जाते हैं। लोक संगीत, शास्त्रीय नृत्य, जनजातीय नृत्य, फोक फ्यूजन और पारंपरिक कला का अनूठा मेल न केवल वातावरण को जीवंत बनाता है बल्कि आगंतुकों को भारत की सांस्कृतिक आत्मा से जोड़ देता है। साथ ही, भारतीय व्यंजनों की खुशबू और स्वाद हर आगंतुक के लिए इस मेले के अनुभव को अविस्मरणीय बना देते हैं।

प्रगति मैदान जैसे विशाल परिसर में सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए इस वर्ष विशेष प्रबंध किए गए हैं। हर हॉल के पास फर्स्ट एड बूथ, मेडिकल सुविधाएं, दर्जनों एंबुलेंस और पर्याप्त संख्या में व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। 245 यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती, 16 बाइक पैट्रोल टीमें, 15 क्रेन और तीन आपदा प्रबंधन वाहन मेले की भीड़-भाड़ को नियंत्रित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

यातायात नियंत्रण कक्ष और सोशल मीडिया पर लगातार जारी की जा रही ट्रैफिक एडवाइजरी सुनिश्चित करती है कि कोई भी आगंतुक परेशानी का सामना न करे। टिकट व्यवस्था की बात करें तो 19 से 27 नवंबर तक आम जनता के लिए सामान्य दिनों में 80 रुपये और सप्ताहांत पर 150 रुपये का टिकट रखा गया है।

'बाल अधिकार सप्ताह' का भव्य समापन

विज्ञान प्रदर्शनी और पोषण जागरूकता का संगम

जगदलपुर। बस्तर सामाजिक जन विकास समिति द्वारा जगदलपुर ब्लॉक के 20 ग्राम पंचायतों में संचालित 'चाइल्ड डेवलपमेंट प्रोग्राम' के तहत 14नवंबर से 20 नवंबर तक मनाए गए 'बाल अधिकार सप्ताह' का समापन समारोह ग्राम बिलोरी के मिनी स्टेडियम में अभूतपूर्व सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। इस आयोजन में बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूकता के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता और स्वास्थ्य के प्रति समाज की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए गणमान्य अतिथियों और 500 से अधिक बच्चों ने भाग लिया, जिसने समारोह को ऐतिहासिक बना दिया। समिति द्वारा 0 से 24 वर्ष आयु वर्ग के 911 बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, बाल संरक्षण और आजीविका सहयोग दिया जा रहा है। समापन समारोह में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं और बाल विवाह निषेध पर एक प्रभावी नाटक का मंचन किया। आयोजन के मुख्य आकर्षण के तौर पर स्कूली बच्चों ने अपने विज्ञान परियोजनाओं को प्रदर्शित किया, जिससे उनकी वैज्ञानिक सोच और नवाचार को मंच मिला। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने पोषण जागरूकता के तहत विभिन्न पौष्टिक उत्पादों का प्रदर्शन किया। बच्चों के उत्साह को बढ़ाने के लिए एक मिनी फूड फे यर भी लगाया गया, जहाँ पारंपरिक और पौष्टिक खाद्य पदार्थ उपलब्ध थे। विभिन्न गतिविधियों और खेलों में भाग लेने वाले सभी बच्चों को मुख्य अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथिगणों ने अपनी उपस्थिति से बच्चों का उत्साह बढ़ायाः छत्तीसगढ़ पेंशन धारी कल्याण संघ सेः जिलाध्यक्ष के. के. द्विवेदी जी, बस्तर संभाग के अध्यक्ष जी. एस. पाण्डेय जी, सदस्य महतो जी, कुडकुडे जी, भदौरिया जी। जिलाबाल संरक्षण अधिकारीः जिला बाल संरक्षण अधिकारी विजय शर्मा जी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष नरेंद्र पानीग्राही जी, सदस्य जोशी जी और वर्षा श्रीवास्तव जी।स्वास्थ्य विभाग सेः मुख्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य अधिकारी संजय बसाख जी एवं जिला टीबी अधिकारी सी. मैत्री जी। सभी ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, और शिक्षकगण। अपने संबोधन में, सभी अतिथिगणों ने संगठन प्रमुख डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय के दूरदर्शी प्रयासों और उनकी विजनरी सोच की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ. पाण्डेय के मार्गदर्शन में ही स्टाफ ने कार्यक्रम का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन सुनिश्चित किया है। अतिथियों ने बच्चों को स्वस्थ और उज्जवल भविष्य के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने अधिकारों का उपयोग करें और शिक्षा के मार्ग पर आगे बढ़ें। कार्यक्रम के अंत में, बस्तर सामाजिक जन विकास समिति की ओर से सभी मुख्य अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया गया। समिति के संस्थापक और सचिव, डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय, ने बच्चों और समाज को एक प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहाः हमारा संगठन (बस्तर सामाजिक जन विकास समिति) बीते 25 वर्षों से बस्तर की जनजातीय समुदाय की सेवा कर रहा है। बच्चों के चेहरे पर मुस्कान और उनके जीवन में प्रगति देखना ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह चाइल्ड डेवलपमेंट प्रोग्राम केवल एक योजना नहीं है, यह एक ऐसा सपना है जहाँ हर बच्चे को शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा का अधिकार मिले। आज, आप सभी बच्चों की प्रतिभा, विशेषकर विज्ञान प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आपका उत्साह देखकर मैं कहना चाहता हूँ कि आप ही हमारे भविष्य की सबसे बड़ी पूँजी हैं। अपने अधिकारों को जानें, अपनी शिक्षा को प्राथमिकता दें, और निडर होकर आगे बढ़ें।

विश्रामपुरी पुलिस ने अवैध शराब बिक्री करने, रखने वाले को किया गिरफ्तार

कोण्डागांव। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि जिला कोण्डागांव थाना विश्रामपुरी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कोसमी में अवैध शराब बिक्री की सूचना प्राप्त होने पर उक्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव पंकज चन्द्रा (भापुसे) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल के मार्गदर्शन एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केशकाल अरूण कुमार नेताम के पर्यवेक्षण में सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी उप निरी. विनोद नेताम, के नेतृत्व में थाना विश्रामपुरी पुलिस द्वारा 26 नवम्बर को ग्राम कोसमी निवासी महाराजी कश्यप पिता स्व नवल राम कश्यप उम्र 56 वर्ष जाति गोड़ निवासी ग्राम कोसमी स्कुलपारा थाना विश्रामपुंरी जिला कोण्डागांव (छग) के द्वारा अपने घर बाड़ी में एक प्लास्टीक थैला में मध्य प्रदेश निर्मित 40 नग गोवा व्हीस्की प्रत्येक-प्रत्येक 180 डस् सीलबंद कुल मात्रा 07 लीटर 200 डस् किमती 4,800/-रूपये एवं नगदी रकम 1000/-रू. को जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया आरोपी का कृत्य अपराध 34(2) आबकारी अधिनियम का अपराध करते पाये जाने से मौके पर दिनांक 26.11.2025 को विधिवत गिरफ्तार कर अग्रीम कार्यवाही की गयी है। उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक विनोद नेताम थाना प्रभारी विश्रामपुरी प्र.आर.देवार्चन सिदार, आरक्षक शिवनाथ बर्वे, जागेश मण्डावी, म.आर. जया पाण्डे का अहम भूमिका रही।

मैदान बचाओ आंदोलन हुआ तेज न्यायालय घेराव के लिए निकले छात्र, प्रशासन ने जय स्तंभ चौक में लगाया बैरीकेट

कोण्डागांव। महात्मा गांधी वार्ड स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (पीएम आत्मानंद स्कूल) के खेल मैदान में जिला एवं सत्र न्यायालय निर्माण का विरोध आज फिर नए चरण में पहुंच गया। मंगलवार को सड़क जाम और कलेक्टर कार्यालय घेराव के बाद गुरुवार को छात्र छात्राएं बड़े समूह में जिला एवं सत्र न्यायालय का घेराव करने के उद्देश्य से स्कूल से रवाना हुए। बच्चों को बाजार पारा स्कूल के पास समझाइश के बाद वापस भेजा गया हैं। आंदोलनरत बच्चों का कहना है कि, न्यायालय भवन के लिए मैदान का चयन पूरी तरह अनुचित है, क्योंकि यही मैदान उनके खेलकूद, अभ्यास, कार्यक्रम और शारीरिक गतिविधियों का मुख्य केंद्र है। निर्माण कार्य रुकवाने और मैदान को पूर्ण रूप से सुरक्षित घोषित करने की मांग को लेकर छात्रों ने आज आगे कदम बढ़ाया है।इधर, प्रशासन ने किसी भी अप्रिय स्थिति को टालने के लिए जय स्तंभ चौक में बैरीकेट लगाकर पुलिस बल तैनात कर दिया है। छात्रों को रोकने की तैयारी की गई है और प्रशासनिक अधिकारी मौके की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। छात्र जुलूस जय स्तंभ चौक से आगे बढ़ कर न्यायालय की ओर बढ़ रही थी, लेकिन बाजार पारा स्कूल के पास प्रशासन की समझाइश से छात्रों का दल वापस हो गए है।

बीजापुर जिला अस्पताल की अव्यवस्थाओं के खिलाफ व्यापारियों का हल्ला-बोल

2 दिसंबर को एक दिवसीय बंद और शांतिपूर्ण धरना

बीजापुर। जिला अस्पताल बीजापुर में लगातार बिगड़ती स्वास्थ्य सेवाओं के खिलाफ स्थानीय व्यापारिक समुदाय ने कड़ा रुख अपनाया है। व्यापारी संघ ने 2 दिसंबर 2025, मंगलवार को बीजापुर बंद और जिला अस्पताल के सामने शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया ।

अस्पताल में बदहाली, मरीज बेहाल – व्यापारी संघ द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि जिला अस्पताल में खून जांच सहित कई पैथोलॉजी सेवाएं लंबे समय से बंद पड़ी हैं। एक्स-रे सुविधा ठप है और आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध नहीं हो रही हैं। कई मशीनें खराब या निष्क्रिय होने के कारण मरीजों को मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर व ग्रामीण मरीजों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

शिकायतों के बाद भी हालात जस के तस – व्यापारियों ने कहा कि अस्पताल की अव्यवस्थाओं को लेकर उच्च अधिकारियों को सूचित किया गया, लेकिन अभी तक किसी भी स्तर पर सुधार नहीं हुआ है। जिले की प्रमुख स्वास्थ्य इकाई होने के बावजूद सेवाओं का इस तरह चरमराना आम लोगों के जीवन से खिलवाड़ जैसा है। व्यापारियों का कहना है कि अब आवाज उठाना आवश्यक हो गया है।

2 दिसंबर को रहेगा पूरा बीजापुर बंद – व्यापारी संघ के निर्णय के अनुसार, 2 दिसंबर को पूरा बीजापुर शहर बंद रहेगा। जिला अस्पताल चौक में टेंट लगाकर शांतिपूर्ण धरना आयोजित किया जाएगा। इसके संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों को औपचारिक सूचना भेज दी गई है।

स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर बीजापुर बन्द की सूचना स्वास्थ्य मंत्री एंव प्रभारी मंत्री सहित विधायक एंव समाज प्रमुखों को भी – व्यापारियों ने अपनी मांगों और विरोध की जानकारी स्वास्थ्य मंत्री, जिले के प्रभारी मंत्री, स्थानीय विधायक, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, सामाजिक संगठनों और प्रेस क्लब सहित विभिन्न स्तरों तक भेजी है। व्यापारी संघ ने जिला प्रशासन से अस्पताल की अव्यवस्थाओं को गंभीरता से लेने और स्वास्थ्य सेवाओं में तत्काल सुधार लाने की अपील की है।

बस्तर ओलंपिक 2025- संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियों की कमिश्नर ने की समीक्षा

जगदलपुर। बस्तर ओलंपिक 2025 के संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा बुधवार को कमिश्नर डोमन सिंह ने की। कमिश्नर सिंह ने कहा कि बस्तर ओलंपिक बस्तर अंचल की संस्कृति, खेल प्रतिभा और सामुदायिक सहभागिता का महत्वपूर्ण मंच है, इसलिए सभी व्यवस्थाएं उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने आयोजन स्थल, प्रतिभागियों की आवासीय तथा परिवहन व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं, तकनीकी व्यवस्थाओं, सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन सहित सभी बिंदुओं पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान आईजी सुंदरराज पी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि आयोजन से सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएं ताकि प्रतिभागियों एवं दर्शकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने नुवा बाट के प्रतिभागियों के लिए आवश्यक व्यवस्था, मेडिकल टीम की उपलब्धता, अन्य जिलों से आने वाले खिलाड़ियों की समपूर्ण व्यवस्था, पेयजल जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। कलेक्टर हरिस एस ने आयोजन के संबंध तीनों मैदानों की आवश्यक व्यवस्था समय पर पूरी करने तथा आवासीय व्यवस्था को पूर्ण करने की बात कही। पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने भी अपने विचार रखे। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को दी जाने वाली मैडल और ट्रॉफी का भी अवलोकन किया गया। समीक्षा के बाद उन्होंने आयोजन स्थल का मौके पर पहुँचकर निरीक्षण भी किया और तैयारियों के संबंध में निर्देश भी दिए। बैठक में अपर कलेक्टर एवं प्रभारी खेल अधिकारी ऋषिकेश तिवारी ने पीपीटी के माध्यम से तैयारियों की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन सहित अन्य संभाग स्तरीय अधिकारी और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में संभागीय आयोजन के लिए अधिकारियों को उनके पृथक-पृथक दायित्व भी सौंपे गए, जिसमें खेल प्रबंधन, आवास-भोजन, परिवहन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और तकनीकी संचालन से जुड़ी जिम्मेदारियां शामिल हैं। ज्ञात हो कि बस्तर ओलंपिक 2025 में पूरे संभाग में तीन लाख 91 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीयन करवाया था। इनमें कलस्टर, ब्लॉक और जिला स्तर की प्रतियोगिता पर शामिल होकर विजेता संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में लगभग 500 नुवा बाट के साथ-साथ तीन हजार खिलाड़ी, कोच और अन्य सहायक लोग भाग लेंगे। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान सिटी ग्राण्ड में फुटबॉल, बॉलीबॉल, कराटे, वेटलिफ्टिंग एवं बैडमिंटन स्पर्धा होगी, वहीं हॉकी प्रतियोगिता पंडरीपानी स्थित खेलो इंडिया सेंटर में आयोजित की जाएगी।

संविधान दिवस पर अमृत सरोवरों में विविध गतिविधियों का हुआ आयोजन

कोण्डागांव। जनपद पंचायत कोंडागांव अंतर्गत मनरेगा योजना अंतर्गत 31 अमृत सरोवर में 'संविधान दिवस' के उपलक्ष्य में बुधवार को श्एक प्रण जल संरक्षणश् की शपथ दिलाई है। साथ ही सरोवर में स्वच्छता अभियान सहित पौधा रोपण भी किया गया। इसके अन्य कार्यक्रम भी सम्पन्न किया गया जिसमें ग्राम पंचायत सरपंच, उपसरपंच, पंच गण सहित ग्रामीणजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित के वारिसों को 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा पीड़ित के 5 प्रकरणों में वारिसों को 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि प्रदान की गयी। कलेक्टर द्वारा केशकाल तहसील के ग्राम बहीगांव निवासी गायत्री मण्डावी की सर्पदंश से मृत्यु होने पर पिता सुरेश मण्डावी को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि, फरसगांव तहसील के ग्राम मोदे निवासी बेदबती की खेत के मेड़ पर बने गड्ढे पर सिर के बल गिर जाने से नाक एवं मुंह में पानी भरने से मृत्यु होने पर पुत्री प्रियंका उर्फ पिंकी, योगिता, पुत्र योगेश और ईवान को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि, माकड़ी तहसील के ग्राम बुडरा निवासी रोशनलाल पाण्डे की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर माता उषा पाण्डे, पिता विश्राम पाण्डे को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि, कोण्डागांव तहसील के ग्राम गिरोला निवासी अनतराम नेताम की दीवार गिरने से दबकर मृत्यु होने पर पत्नी सुनीता नेताम को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि, बड़े राजपुर तहसील के ग्राम कुर्रूभाट निवासी रमशीला की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर पति जससिंह को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गयी है। उक्त स्वीकृत आर्थिक सहायता राशि सम्बन्धित वारिसों के बैंक खाते में हस्तांतरित करने के निर्देश सम्बन्धित तहसीलदारों को दिए गए हैं।

एकलव्य विद्यालय के जिला स्तरीय समिति की हुई बैठक

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना की अध्यक्षता में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की जिला स्तरीय समिति की बैठक जिला कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में विद्यालयों के विविध शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने बोर्ड परीक्षा की तैयारी के संबंध में सभी प्राचार्यों से उनके द्वारा बनाई गई रणनीति के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक सुधार के लिए दिशा निर्देश दिए। साथ ही सभी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, कम्प्यूटर कक्ष और प्रयोगशाल कक्ष की सुचारू संचालन के भी निर्देश दिए और सभी छात्रावासों में किचन गार्डन, डाइनिंग रूम की व्यवस्था और साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा। उन्होंने सभी विद्यालयों में प्रवेशित बच्चों की संख्या, शिक्षकों की उपलब्धता सहित बैठक की विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। प्राचार्यों को बताया गया, आपकी नवाचारी दृष्टिकोण विद्यालय परिसर में प्रदर्शित होना चाहिए। इस अवसर पर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कृपेंद्र तिवारी सहित जिले के एकलव्य विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बस्तर कलेक्टर ने दिए निर्देश, केवल वास्तविक किसानों का धान होगा मान्य

जगदलपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान छत्तीसगढ़ के वास्तविक किसानों के हितों की रक्षा और राज्य में अवैध धान के प्रवेश को पूरी तरह से रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उक्त निर्देशों के परिपालन में बस्तर कलेक्टर हरिस एस ने जारी दिशा-निर्देश में स्पष्ट किया है कि इस सीजन में बिचैलियों (कोचिया) की भूमिका को प्रभावी ढंग से समाप्त करने के लिए उच्चतम स्तर पर सतर्कता बनाए रखना आवश्यक है। कलेक्टर ने इस हेतु सबसे पहले गेट पास ऐप पर किसानों की तस्वीरें सख्ती से अपलोड करने को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, जिस पर मंडी अधिकारियों और अन्य फील्ड स्टाफ द्वारा कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके अतिरिक्त राज्य भर में 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले लगभग एक लाख बड़े किसानों को इस सीजन में तीन टोकन का विकल्प दिया गया है। अतः कलेक्टर ने समयबद्ध और केंद्रित सत्यापन अभियान चलाकर इनकी पात्रता की जांच करने का निर्देश दिया है। खरीद प्रक्रिया में किसी भी विसंगति को तुरंत पकड़ने के लिए, एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र अलर्ट जो कि असामान्य खरीद पैटर्न को दर्शाते हैं, उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता पर लिया जाएगा। ऐसे अलर्ट मिलने पर 48 घंटे के भीतर जमीनी सत्यापन शुरू करना और समाधान की स्थिति को पोर्टल पर तुरंत अपलोड करना अनिवार्य होगा। कलेक्टर ने जिला स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस में प्रतिदिन, दिन के अंत में एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र अलर्ट्स की समीक्षा और उनके समाधान की गुणवत्ता की जांच को भी अनिवार्य कर दिया है। सीमावर्ती जिलों से अवैध धान की आवाजाही को रोकने सहित अंतर्राज्यीय नाकों को चौबीसों घंटे सक्रिय रखना होगा। धान की आवाजाही केवल राज्य की नीति के अनुसार ही अनुमति दी जाएगी। खरीद पैटर्न में असंगत या अत्यधिक खरीद प्रदर्शित करने वाले सोसायटी प्रबंधकों और कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से पुनः तैनात करने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

धान खरीदी में गड़बड़ी पर देवरीखुर्द प्रबंधक निलंबित

बिलासपुर। तखतपुर तहसील के धान खरीदी केंद्र देवरीखुर्द में गड़बड़ी की जांच में पुष्टि होने के बाद सहायक प्रबंधक एवं खरीदी केंद्र प्रभारी श्री राममनोहर कौशिक को निलंबित कर दिया गया है। उपायुक्त सहकारिता ने जिला कलेक्टर की अनुशंसा के बाद निलंबन की कार्रवाई की है। उप पंजीयक सहकारिता कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार सेवा सहकारी समिति मर्या0 देवरीखुर्द पं0क्र0 670 के विकासखंड तखतपुर के संबंध में 25 नवम्बर को धान खरीदी केन्द्र में अनियमितता होने की शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसे गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल द्वारा निर्देशित किया गया कि कृषको को अनावश्यक परेशान करने वाले एवं धान खरीदी कार्य में अनियमितता एवं लापरवाही करने वाले के विरूद्ध जॉच कर कठोर कार्रवाई की जाए। तत्संबंध में कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता जिला बिलासपुर द्वारा सहकारिता विस्तार अधिकारी वि0ख0 तखतपुर को जॉच अधिकारी नियुक्त किया गया। सहकारिता विस्तार अधिकारी वि0ख0 तखतपुर द्वारा जॉच प्रतिवेदन में धान खरीदी प्रभारी द्वारा दायित्व का निर्वहन नही करते हुए समिति में उपार्जित धान के कुछ बारदानो में मानक वजन के अनुरूप नहीं पाया गया। डनेज की उपयोगिता के आधार पर भण्डारण में कमी पाया गया। खाली बारदानों का सही रख-रखाव की व्यवस्था में कमी पाया गया तथा उपार्जित धान का गणना करने योग्य स्टेकिंग नहीं किये जाने की पुष्टि की गई है। उक्त कर्मचारी के इस कृत्य से राज्य शासन का महत्वाकांक्षी योजना धान खरीदी में शासन की छबि धूमिल हुई है। उनका यह कृत्य धान उपार्जन नीति 9.16 एवं 15.1 के उपबंधो के प्रतिकूल पाया गया हैं। जॉच प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर की अनुशंसा पर सीएस जायसवाल, उप आयुक्त सहकारिता द्वारा समिति में पदस्थ प्रभारी संस्था प्रबंधक एवं धान खरीदी प्रभारी श्री राममनोहर कौशिक को निलंबित करने बाबत् निर्देश जारी किया गया हैं।

थाना कोनी का अवैध शराब के ऊपर प्रहार आरोपी गणों से कुल 21लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 4200 रू जप्त

बिलासपुर। वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा अवैध शराब का धंधा करने वाले एवं खरीदीट्टबिक्री करने वालों के ऊपर पूर्ण अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया हैं जिसके अनुक्रम में दिनांक 26. 11. 25 को थाना कोनी के ग्राम जलसों में घर के आंगन और गांव बाजार में दो व्यक्ति अपने पास हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब रखकर बिक्री हेतु ग्राहक तलाश कर रहे है मुखबिर के सूचना पर कोनी पुलिस के द्वारा मौके पर पहुंच रेड कार्यवाही किया गया रेड कार्रवाई के दौरान दोनों अपने पास प्लास्टिक के जरीकेन में महुआ शराब रखकर बिक्री करते पाए गए जिनकी तलाशी लेने पर आरोपी तीजराम वर्मा के कब्जे से 09 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमती ?1800 मिला तथा आरोपी उत्तम वर्मा के कब्जे से 12 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमती 2400 रू कुल जुमला कच्ची महुआ शराब कीमती 4200 रू मिला आरोपीगण के विरुद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध सबूत पाए जाने पर गिरफ्तार कर विधिवत कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष रिमांड में पेश किया जाएगा।

आईटीआई कोनी में प्लेसमेंट कैम्प 3 दिसम्बर को

बिलासपुर। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोनी में 3 दिसम्बर को सवेरे 10 बजे से टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक लिमिटेड द्वारा एक दिवसीय प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह कैम्प नि:शुल्क शिक्षा लर्न विथ अर्न प्रोगाम के अंतर्गत डिप्लोमा इन मेकाट्रोनिक्स के लिए है। जिसमें 18 से 23 वर्ष आयु के 12वीं पास या 2 वर्षीय आईटीआई उत्तीर्ण एवं अंतिम वर्ष में अध्ययनरत अभ्यर्थी शामिल हो सकते है। स्टाइपेंड 18149 रूपए, क्लासरूम अटेंडेंस बोनस 2500 एवं रिटेनशन अवार्ड 1000 होगी। अधिक जानकारी के लिए संस्था कार्यालय से जानकारी प्राप्त कर सकते है।

संविधान दिवस पर अधिकारी कर्मचारियों ने ली शपथ

कोरबा। भारत के संविधान को अंगीकृत किए जाने के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 26 नवम्बर को मनाए जाने वाले संविधान दिवस के अवसर पर कलेक्टोरेट परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को भारतीय संविधान अंगीकृत किए जाने की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल ने कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन में अधिकारी-कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराते हुए शपथ दिलाई। अपर कलेक्टर श्री पटेल द्वारा दिलाई गई शपथ में भारत को सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य बनाने तथा सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय प्रदान करने, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने।

आयोग के निर्देश पर आवेदिका को रेरा से मिला 50 लाख रूपये वापसी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की मान. अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने जिला पंचायत भवन बिलासपुर में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रस्तुत 22 प्रकरणों पर जनसुनवाई की छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की मान. अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक के अध्यक्षता में आज प्रदेश स्तर पर 355 व बिलासपुर जिले में 22 वी सुनवाई हुई। आज के सुनवाई के दौरान प्रकरण में उभय पक्ष उपस्थित आवेदिका ने बताया आंतरिक परिवाद समिति ने उसकी शिकायत पर पूरी तरह से जाँच नही किया है और आनावेदक को दोषमुक्त करार दिया है। जिसके खिलाफ आवेदिका ने अपील कर रखा है, आवेदिका का बच्चा छोटा है उसने कहा कि यदि अनावेदक माफी मांगता है तो वह आवेदन वापस ले लेगी। अनावेदक ने आवेदिका से आयोग के समक्ष मांफी मांगा है। इस पर आवेदिका ने आंतरिक परिवाद समिति की अपील वापस लेने की बात स्वीकार किया है। चूंकि दोनो पक्षों के बीच प्रकरण का निपटारा हो चुका है। अत: प्रकरण वापस ले ली है और प्रकरण नस्तीबद्ध किया जाता है। उभय पक्ष उपस्थित आवेदिका ने जिला खेल परिसर में महिला खिलाड़ियों के लिए ज्पउम स्लॉट आवेदन प्रस्तुत किया था पिछली सुनवाई में अनावेदक को 15 दिन का समय दिया गया था लेकिन खेल परिसर में निर्माण कार्य होने के कारण वहां खेलने की स्थिति नही थी निर्माण कार्य पूरा होने

के बाद महिला खिलाड़ियों के लिये अनावेदक ने टाईम स्लॉट देने का अश्वासन दिया अत: प्रकरण नस्तीबद्ध किया जाता हैं। उभय पक्ष उपस्थित। आवेदिका ने अनावेदक के विरूद्ध वो उच्चाधिकारी है शासकीय दौरे में कही गई बातों की शिकायत किया था जिस पर अनावेदक का कहना है कि शासकीय कार्यों में लापरवाही के लिये सामूहिक रूप से सभी को काम को पूरा करने के लिये डाटा जाता है किसी को व्यक्तिगत टिप्पणी नही करते। आवेदिका का कथन हे कि उसने अनावेदक विरूद्ध अजाक थाना में लिखित शिकायत दिया था लेकिन अपने उच्चाधिकारी को लिखित शिकायत नही दिया था लेकिन थाने में आवेदन देने के बाद अनावेदक इस तरह के टीका टिप्पणी करना बंद कर दिये हैं। इस स्तर पर अनावेदक ने आवेदिका को लगी ठेस पर खेद व्यक्त किया हैं और भविष्य में अपने शब्दों पर और संयम रहने की बात कही है ऐसी स्थिति में आवेदिका और कार्यवाही नही चाहती है। अत: प्रकरण नस्तीबद्ध किया जाता है। आवेदिका उपस्थित। अनावेदक कमांक (2) उपस्थित। अनावेदक 1 अस्वस्थ होने के कारण अनुपस्थित है। उसके दस्तावेज लेकर अनावेदक कमांक 2 उपस्थित। शेष अनावेदक अनुपस्थित। पिछली सुनवाई मतें उभय पक्ष को सुलह करने के लिए समय दिया गया था लेकिन कोई पहल नही की गई हैं आवेदिका ने कहा कि पिछले 1) साल से केवल बात करते है न ही खर्चा दे रहें है न ही आते है इतनी महिला से अनावेदक कमांक 1 के अनैतिक संबंध है आवेदिका ने बताया है कि सुलह की बात करता है लेकिन कोई पहल नही करता हे अब तक कोई भरण पोषण भी नही दे रहे हैं अनावेदक कमांक 02 का कथन है कि आवेदिका को 500/- ऑनलाईन दिया गया था अनावेदकगण का च्वाईस सेन्टर और आर.सी.एम. का दुकान था लेकिन अपनी आय कभी नही बताता था। अनावेदक कमांक 02 के निवेदन पर सुलह हेतु अंतिम अवसर दिया जाता है। 15 दिन के अंदर सखी सेन्टर में सखी प्रशासिका के पास मीनाक्षी पाण्डेय क पास सुलह हेतु अंतिम अवसर अनावेदकगण को दिया जाता है यदि वह सुलह वार्ता के लिये अनुपस्थित रहते है और सुलह का प्रयास नही करते है तो आवेदिका अनावेदकगण के विरूद्ध दहेज प्रताड़ना के केस में एफआई.आर. करा सकेगी। आज के आर्डर की कापी सखी प्रशासिका को नि:शुल्क प्रति दी जाती है। वह 15 दिवस में अपनी रिपोर्ट आयोग को प्रस्तुत करेगी। उभय पक्ष उपस्थित। आवेदिका ने तीनों अनावेदक के खिलाफविस्तृत शिकायत किया है वही अनावेदक गणों के द्वारा भी आवेदिका के खिलाफ शिकायत और स्थायी प्राचार्य की मांग के लिये आवेदन प्रस्तुत।

छुरी सहकारी समिति में किसान कृष्ण ने किया धान विक्रय.....

■ पारदर्शिता और तकनीकी सहूलियत किसानों को समय पर तुलाई, सुविधा और सर्वाधिक समर्थन मूल्य का लाभ

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस वर्ष भी धान खरीदी व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाया गया है। किसानों की मेहनत का सम्मान करते हुए राज्य सरकार द्वारा धान का समर्थन मूल्य के अलावा कृषक उन्नति योजना की राषि दी जाती है। जो देश में सबसे अधिक है। इस निर्णय ने किसानों में उत्साह और भरोसा दोनों बढ़ाया है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान की है। धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए खरीदी केन्द्रों में आधुनिक सुविधाएँ विकसित की गई हैं। सुव्यवस्थित तुलाई, पर्याप्त बारदाना उपलब्धता, सुरक्षित भंडारण, पेयजल, डिजिटल भुगतान और पारदर्शी प्रक्रिया ने किसानों के अनुभव को सहज बनाया है। कोरबा जिले के ग्राम अरदा निवासी किसान श्री कृष्ण कुमार सिंह एक सशक्त उदाहरण बनकर उभरे हैं। अपनी एक एकड़ के आसपास भूमि में मेहनत से उपजे 12 क्विंटल 80 किलो धान को वे छुरी सहकारी समिति में बेचने पहुँचे, जहाँ उन्हें पूरी तरह आरामदायक, सुव्यवस्थित और पारदर्शी प्रक्रिया का अनुभव मिला। श्री सिंह ने बताया कि तुहर टोकन ऐप उनके लिए अत्यंत सुविधाजनक साबित हुआ - घर बैठे ही टोकन मिलने से न तो उन्हें लाइन में लगना पड़ा और न ही भीड़भाड़ की किसी परेशानी का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय पर केंद्र पहुँचते ही तुलाई और खरीदी की सभी प्रक्रियाएँ तेज, सुचारु और बिना किसी बाधा के पूरी हुईं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विष्णु सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, किसानों के लिए बड़ी राहत और सम्मान का विषय है, और यह मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की किसान-केंद्रित सोच का स्पष्ट प्रमाण है। श्री सिंह ने बताया कि खरीदी केंद्र में किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा - सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध थीं।

कोरबा में कांग्रेसजनों ने बाबा साहब की प्रतिमा के समक्ष मनाया संविधान दिवस

कोरबा। संविधान के 76 वर्ष पूरे होने के अवसर पर कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ एवं जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा के तत्वाधान में ओपन थियेटर घंटाघर चैक पर स्थित बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा के समक्ष सविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद, पूर्व सभापति श्याम सुंदर सोनी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष नत्थूलाल यादव, मनोज चैहान, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री हरीश परसाई, सांसद प्रतिनिधि सुरेश सहगल, फरियाद अली, प्रदेश सचिव विकास सिंह, नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू, महिला कांग्रेस अध्यक्ष कुसुम द्विवेदी, ओबीसी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष गजानंद साहू, अनुसचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष नारायण कुर्रे, पुष्पा पात्रे, युवा कांग्रेस अध्यक्ष राकेश पंकज, विधायक प्रतिनिधि प्रवीण ओगरे, सेवादल प्रमुख प्रदीप पुरायणे, ब्लॉक अध्यक्ष संतोष राठौर, दुष्यंत शर्मा, पार्षद मुकेश राठौर, रवि चंदेल, सुकसागर निर्मलकर, डॉ.रामगोपाल कुर्रे, अविनाश बंजारे सहित उपस्थित कांग्रेजनों ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बाबा साहब के जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कांग्रेसजनो एवं आम नागरिकों से सविधान की रक्षा करने का आव्हान करते हुए कहा कि संविधान डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने बड़ी मेहनत से तैयार किया है। आज यही संविधान देश के नागरिकों के विश्वास और संकल्प का प्रतीक है। श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि हमारे महापुरूषों ने संविधान जैसे महान और पवित्र किताब बेहतर भारत के लिए बना कर हमारे लिए छोड़ गये। संविधान के पन्नों में भारत का अतीत और भारत के भविष्य के सुनहरे सपने अंकित है। पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने संविधान के प्रस्तावना का वाचन किया। पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद ने कहा कि हमारा संविधान हमें सामाजिक, आर्थिक गारंटी देता है। हमारा संविधान भारत को एक संप्रभु समाजवादी, धर्म निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य बनाता हैं। पूर्व सभापति श्यामसुंदर सोनी ने कहा कि संविधान दिवस के उपलक्ष्य पर हम संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर सहित सभा के सदस्यों के योगदान को सादन नमन करते है। हम उनकी दूरदर्शिता ।

घर-घर गीला-सूखा कचरा पृथकीकरण आवश्यक राज्य सलाहकार-मोनिका.....

■ उन्होंने सूखे कचरे विशेषकर प्लास्टिक को खुला फेंकने, जमीन में दबाने या जलाने से बचने की सलाह दी

■ स्वच्छाग्रहियों से की चर्चा, सामुदायिक शौचालयों का निरीक्षण किया

कोरबा। राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की राज्य सलाहकार एवं बिलासपुर संभाग प्रभारी श्रीमती मोनिका सिंह ने 25 नवम्बर को पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के ग्राम कर्रा (सिंघिया), कापुबहरा, गुडरुमुडा, बांझीबन एवं दर्राभांठा का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने स्वच्छाग्रहियों एवं ग्रामीणों से गीला और सूखा कचरा पृथक करने तथा उसका वैज्ञानिक एवं उचित निपटान सुनिश्चित करने की अपील की। श्रीमती सिंह ने कहा कि घरों से निकलने वाले कचरे का अलग-अलग संग्रहण अत्यंत आवश्यक है, ताकि गीले कचरे से खाद तैयार की जा सके और सूखे कचरे का सुरक्षित पृथकीकरण एवं पुनर्चक्रण किया जा सके। उन्होंने स्वच्छाग्रहियों से गांव में संचालित कचरा कलेक्शन प्रणाली, खाद निर्माण प्रक्रिया और कचरा प्रबंधन की नियमितता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने ग्रामीणों को कचरा पृथकीकरण में सहयोग करने हेतु प्रेरित किया और कहा कि कचरे का सही उपयोग किए बिना उसे समाप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने सूखे कचरे विशेषकर प्लास्टिक को खुला फेंकने, जमीन में दबाने या जलाने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक जलाने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता है, अत: इसे सुरक्षित रूप से संग्रहित कर निर्धारित स्थल पर ही भेजा जाए। भ्रमण के दौरान श्रीमती सिंह ने गांवों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों का निरीक्षण किया तथा उनके नियमित उपयोग और रख-रखाव की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शौचालय के साथ निर्मित दुकानों को जरूरतमंद लोगों को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने से शौचालय के संचालन एवं देखरेख में आर्थिक सहायता मिलती है और ग्रामीण सुविधा निर्बाध रूप से चलती रहती है। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी पोड़ी उपरोड़ा श्री जयप्रकाश डड़सेना, सीईओ कटघोरा श्री यशपाल सिंह, जिला समन्वयक (एसबीएम ग्रामीण) श्री विमल धीरहि, जिला सलाहकार श्री दीप सरकार, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा श्री दिलीप मेहता, क्लस्टर समन्वयक श्री जीवनलाल यादव, एसबीएम ब्लॉक समन्वयक कटघोरा, संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, स्वच्छाग्रही महिलाएँ, स्व सहायता समूह की पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने की पहल

बिलासपुर। शीतकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु बिलासपुर-यलहंका-बिलासपुर के मध्य 5-5 फेरे के लिये साप्ताहिक शीतकालीन स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 08261 बिलासपुर-यलहंका(बेंगलुरु) शीतकालीन स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से दिनांक 02 दिसम्बर 2025 से 30 दिसम्बर 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को तथा गाड़ी संख्या 08262 यलहंका(बेंगलुरु) -बिलासपुर शीतकालीन स्पेशल ट्रेन यलहंका से दिनांक 03 दिसम्बर 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक प्रत्येक बुधवार को चलेगी । इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, राजनादगाँव, डोंगरगढ़ एवं गोंदिया स्टेशनों में दिया गया है गाड़ी संख्या 08261 बिलासपुर-यलहंका(बेंगलुरु) शीतकालीन स्पेशल ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को बिलासपुर से 11.00 बजे रवाना होगी तथा भाटापारा आगमन 11.38 बजे, प्रस्थान 11.40 बजे, रायपुर आगमन 12.45 बजे, प्रस्थान 12.50 बजे, दुर्ग आगमन 14.20 बजे, प्रस्थान 14.25 बजे, राजनादगाँव आगमन 14.48 बजे, प्रस्थान 14.50 बजे, डोंगरगढ़ आगमन 15.13 बजे, प्रस्थान 15.15 बजे, गोंदिया आगमन 16.25 बजे, प्रस्थान 16.35 बजे, वडसा आगमन 17.57 बजे, प्रस्थान 17.59 बजे, चांदाफेर्ट आगमन 19.43 बजे, प्रस्थान 19.45 बजे, बल्लारशाह आगमन 20.20 बजे, प्रस्थान 20.30 बजे, सिरपुर कागजनगर आगमन 21.30 बजे, प्रस्थान 21.32 बजे, मंचिर्याल आगमन 22.10 बजे, प्रस्थान 22.12 बजे, काजीपेट आगमन 23.45 बजे, प्रस्थान 23.47 बजे तथा दूसरे दिन बुधवार को चर्लपल्ली आगमन 01.53 बजे, प्रस्थान 01.55 बजे, सिकंदराबाद आगमन 02.20 बजे, प्रस्थान 02.30 बजे, लिंगमपल्ली 03.15 बजे, प्रस्थान 03.17 बजे, विकाराबाद आगमन 04.08 बजे, प्रस्थान 04.10 बजे, तांडूर आगमन 04.50 बजे, प्रस्थान 04.52 बजे, यादगीर आगमन 07.08 बजे, प्रस्थान 07.10 बजे, कृष्णा जंक्शन आगमन 08.20 बजे, प्रस्थान 08.30 बजे, रायचूर आगमन 08.58 बजे, प्रस्थान 09.00 बजे, मंत्रालयम रोड आगमन 09.28 बजे, प्रस्थान 09.30 बजे, गुंटकल आगमन 11.10 बजे, प्रस्थान 11.20 बजे, गुत्ती आगमन 11.53 बजे, प्रस्थान 11.55 बजे, अनंतपुर आगमन 12.53 बजे, प्रस्थान 12.55 बजे, धर्मवरम आगमन 13.55 बजे, प्रस्थान 14.00 बजे होते हुये 18.30 बजे यलहंका पहुंचेगी इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08262 यलहंका (बेंगलुरु)-बिलासपुर शीतकालीन स्पेशल ट्रेन प्रत्येक बुधवार को यलहंका से 21.00 बजे रवाना होगी तथा दूसरे दिन गुरुवार को धर्मवरम आगमन 00.28 बजे, प्रस्थान 00.30 बजे, अनंतपुर आगमन 01.03 बजे, प्रस्थान 01.05 बजे, गुत्ती आगमन 02.03 बजे, प्रस्थान 02.05 बजे, गुंटकल आगमन 03.00 बजे, प्रस्थान 03.10 बजे, मंत्रालयम रोड आगमन 04.13 बजे, प्रस्थान 04.15 बजे, रायचूर आगमन 04.48 बजे।

बिलासपुर जिले के धान उपार्जन केंद्रों पर बेहतर सुविधाओं से किसानों को मिल रही बड़ी राहत...

■ ऑनलाइन टोकन प्रणाली ने धान खरीदी प्रक्रिया बनाई आसान

■ सुचारू धान खरीदी व्यवस्था से किसान शशिकांत पटेल संतुष्ट

बिलासपुर। जिले में धान खरीदी कार्य इस वर्ष भी सुचारू और व्यवस्थित रूप से जारी है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत जिले के 140 उपार्जन केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य प्राथमिकता के साथ निरंतर प्रगति पर है। धान खरीदी केंद्रों में की गई टोकन व्यवस्था, बारदाने की उपलब्धता, इलेक्ट्रॉनिक तौल, छाया, पेयजल और बैठने की सुविधाओं से किसानों को राहत मिल रही है। मस्तुरी विकासखण्ड के धान उपार्जन केंद्र कौड़िया पहुंचे ग्राम मुड़पार के युवा किसान शशिकांत पटेल ने बताया कि वे 67 कट्टी धान का विक्रय करने आए है। परिवार के साथ मिलकर लगभग 7 से 8 एकड़ कृषि भूमि में खेती का कार्य करते है। इस वर्ष उन्होंने घर बैठे ही मोबाइल से टोकन तुंहर हाथ ऐप से टोकन कटवाया जो काफी सरल था। उन्होंने बताया कि टोकन प्रक्रिया व्यवस्थित है जिससे किसानों को लंबी कतार में नहीं लगना पड़ता, समय की बचत होती है और अनावश्यक परेशानी भी नहीं होती। धान खरीदी केंद्र पहुंचने पर धान की तौलाई एवं विक्रय करने में किसी प्रकार की समस्या नहीं आई। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र में पेयजल, छाया तथा बैठने जैसी

सुविधाएँ पूरी तरह उपलब्ध हैं, जिससे धान विक्रय का पूरा अनुभव सहज और सरल रहा। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में चलाए जा रहे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी उन्हें मिल रहा है। किसान सम्मान निधि योजना एवं समर्थन मूल्य पर धान विक्रय की राशि से वे अपने परिवार की स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर ज्यादा ध्यान दे पा रहे है। उनकी आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर हुई है। श्री पटेल ने केंद्र और राज्य शासन द्वारा संचालित किसान हितैषी योजनाओं के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इसी तरह केंद्र में टोकन कटाने पहुंचे किसान मनहरण लाल पटेल ने बताया कि वे 16 एकड़ कृषि भूमि में खेती करते है और राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से लाभान्वित है। केंद्र में आज टोकन कटाने आए है और उन्हें आसानी से टोकन मिल गया। किसी तरह की समस्या नहीं हुई।

चाय, कॉफी और कोल्ड ड्रिंक्स से हो सकती है गंजेपन की समस्या

आज के जमाने में बड़ी तादाद में लोग कम उम्र में ही गंजेपन का शिकार हो रहे हैं। कई लोग तो पूरी तरह गंजे हो जाते हैं और उनके सिर पर हेयर ट्रांसप्लांट करना भी पॉसिबल नहीं होता। कम उम्र में गंजेपन की समस्या किसी टेंशन से कम नहीं होती और लोगों को यह बात बार-बार परेशान करती रहती है। अगर आपसे कहा जाए कि गंजापन आपकी गलत आदतों की वजह से आ रहा है तो क्या आप यकीन कर पाएंगे? जी हां, आपने सही सुना। बड़ी तादाद में लोग अपनी गलतियों की वजह से गंजे हो रहे हैं। एक हालिया स्टडी में गंजेपन को लेकर चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। इन्हें जानकर आपके पैरों तले जमीन खिसक सकती है।

नई रिसर्च में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

चीन में की गई एक हालिया रिसर्च में पता चला है कि हर दिन एक गिलास सोडा, कोल्ड ड्रिंक, स्पोर्ट्स ड्रिंक और अन्य मीठे ड्रिंक्स का सेवन करने से पुरुषों में गंजेपन का खतरा अन्य लोगों की तुलना में 57% तक बढ़ जाता है। हैरानी वाली बात यह है कि सिर्फ कोल्ड ड्रिंक्स ही नहीं, बल्कि मीठी चाय और कॉफी पीने से भी आप गंजे हो सकते हैं। आमतौर पर करीब 50% पुरुष 50 साल की उम्र के बाद गंजे होना शुरू होते हैं, जबकि 25% लोग 21 साल की उम्र से पहले ही गंजे होना शुरू हो जाते हैं। ऐसे लोगों के बेहद कम उम्र में ही बाल झड़ना शुरू हो जाते हैं।

शुगरी ड्रिंक से बनाएं दूरी, बचे रहेंगे बाल

यह रिसर्च चीन की राजधानी बीजिंग स्थित शिंघुआ यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने की है। इस रिसर्च में एक हजार से ज्यादा पुरुषों को शामिल किया गया था और उनके खान-पान का डाटा इकट्ठा करने के बाद डाटा का एनालिसिस किया गया। इसके बाद शोधकर्ताओं ने यह चौंकाने वाली बातें बताई हैं। शोध करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि कम उम्र में होने वाले गंजेपन से बचने के लिए लोगों को मीठी ड्रिंक्स के सेवन से बचना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस गंजेपन को दवाओं की मदद से रोका जा सकता है। सही समय पर इलाज करवाने से आप जिंदगी भर के लिए गंजे होने से बच सकते हैं। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (CDC) के मुताबिक 18 साल और उससे ज्यादा उम्र के करीब 63 फ़ीसदी लोग रोज कम से कम एक शुगर ड्रिंक पीते हैं। इससे न सिर्फ गंजेपन, बल्कि डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, ब्लड प्रेशर समेत कई बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। सभी को अपनी डाइट में शुगर की मात्रा को कंट्रोल करना चाहिए, ताकि बीमारियों से बचा जा सके।

ब्लोटिंग, गैस, कब्ज दूर करते हैं ये योगासन

पेट फूलने की समस्या यानी ब्लोटिंग, अपच, गैस, बदहजमी से अधिकतर लोग परेशान रहते हैं। उल्टा-सीधा, तली-भुनी चीजों के अधिक सेवन से कुछ लोगों का पेट बहुत अधिक फूल जाता है। कई बार इस वजह से पेट दर्द भी होने लगता है। यदि आपको ब्लोटिंग की समस्या अक्सर परेशान करती है तो हो सकता है आपका पाचन तंत्र सही से अपना कार्य ना कर रहा हो। ब्लोटिंग की समस्या तब हो सकती है, जब आपका भोजन सही तरीके से पचता नहीं है। कई दिनों तक पेट साफ नहीं होता, जिस वजह से पेट फूला हुआ नजर आता है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप हेल्दी डाइट लेने के साथ ही कुछ योग का अभ्यास भी नियमित रूप से कर सकते हैं। आइए जानते हैं ब्लोटिंग की समस्या और कब्ज को दूर करने के लिए कौन-कौन से योग फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

ब्लोटिंग की समस्या में करें हलासान

पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है हलासान। इसके नियमित अभ्यास से पाचन संबंधित समस्याएं दूर होती हैं। यह वजन घटाता है। मेटाबॉलिज्म को भी दुरुस्त करता है। स्ट्रेस भी कम करता है। मैट पर पीठ के बल लेट जाएं। हाथों को फर्श बिल्कुल सीधा रखें। अपने दोनों पैरों को धीरे-धीरे ऊपर की तरफ बिल्कुल सीध में उठाएं। अब पैरों को सिर की तरफ ले जाएं। जमीन पर पैरों के अंगूठे को टच कराने की कोशिश करें। जितनी देर हो सके इस पोजीशन में बने रहें। अब धीरे-धीरे पैरों को वापस नॉर्मल पोजीशन में ले आएं।

ब्लोटिंग में करें उत्तानासन

उत्तानासन एक स्ट्रेचिंग योगासन है। इस योगासन को करने से इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। पेट की समस्याएं दूर होती हैं। इसे करने के दौरान पेट पर दबाव पड़ता है, सर्कुलेशन को बढ़ावा देता है, जिससे गैस से राहत मिलती है। पाचन को भी सही करता है। सीधे खड़े हो जाएं और पैरों को सीधा रखें। अब सांस अंदर खींचते हुए कमर से आगे की तरफ झुकें। दोनों हाथों से टखने पकड़ें। छाती को पैरों से सटाने की कोशिश करें। सिर को नीचे की तरफ झुकाएं रखें। इस पोजीशन में कुछ सेकेंड रहें और फिर धीरे-धीरे पहले की अवस्था में लौट आएं।

ब्लोटिंग की समस्या में योग फायदेमंद

योगाजाला डॉट कॉमके अनुसार, योग करने से पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है, जिससे ब्लोटिंग, कब्ज, अपच आदि पेट संबंधित समस्याएं नहीं होती हैं। यदि आप हल्के व्यायाम जैसे वॉकिंग, जॉगिंग या फिर योग करते हैं तो इससे भोजन पेट में तेजी से पचता है और सही तरीके से आंतों में आगे बढ़ता है। इससे आंतों में गैस नहीं बनती और ब्लोटिंग या सूजन के लक्षणों में कमी आएगी। कई बार स्ट्रेस, एंजाइटी के कारण भी ब्लोटिंग की समस्या होती है, जिससे डाइजेस्टिव सिस्टम धीमा हो जाता है। ऐसे में शरीर को जितना हो सके रिलैक्स मोड में रखें। योग करेंगे तो स्ट्रेस, एंजाइटी, डिप्रेशन की समस्या भी दूर होगी।

धनुरासन करने से ब्लोटिंग में होगा लाभ

यदि आप नियमित रूप से धनुरासन का अभ्यास करते हैं तो पेट संबंधित कई समस्याएं दूर होती हैं। यह गैस, पेट फूलने की समस्या को कम करता है। इसे करने के लिए पेट के बल लेट जाएं। इस योग को करते समय शरीर बिल्कुल धनुष की तरह नजर आता है। इसमें दोनों हाथों को पीछे की तरफ ले जाकर पैरों को पकड़ना होता है। सांस भरते हुए सीने को फर्श से उठाएं और पैरों को कमर की तरफ खीचने की कोशिश करें। इस पोजीशन में रहते हुए शरीर के संतुलन को बनाए रखें। सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे सामान्य पोजीशन में आ जाएं।

अपानासन से दूर करें ब्लोटिंग की समस्या

यदि आपका पेट फूला रहता है, कब्ज, अपच की समस्या है तो आप अपानासन का अभ्यास करें। इसके लिए योग मैट को बिछाकर पीठ के बल लेट जाएं। दोनों पैरों को घुटने से मोड़ते हुए छाती के पास सटा लें। इस पोजीशन रहते हुए सांस अंदर लें और फिर बाहर छोड़ें। इस योग को करने के दौरान कंधे को फर्श से सटाकर ही रखें। कुछ सेकेंड इस पोजीशन में रहने के बाद पहले की अवस्था में लौट आएं। इसे करने से खराब पेट, अपच, कब्ज, ब्लोटिंग आदि समस्याएं धीरे-धीरे कम होने लगेंगी। कमर दर्द, घुटनों में चोट लगी हो तो अपानासन ना करें। भोजन करने के तुरंत बाद ही ये योग ना करें।

ब्लोटिंग में पश्चिमोत्तानासन करने के फायदे

फर्श पर सामने की तरफ दोनों पैरों को बिल्कुल सीध में फैलाकर बैठ जाएं। पैरों के बीच गैप ना रखें। पीठ, गर्दन, सिर सब सीधा रखें। ऊपर वाला शरीर का हिस्सा आगे की तरफ झुकाएं। हाथों की उगलियों से दोनों पैरों की उगलियों को छूने का प्रयास करें। घुटने जमीन से उठाएं नहीं। गहरी सांस लेते हुए धीरे-धीरे सांस छोड़ें। इस दौरान आपका सिर घुटनों को छुए, इस बात का ध्यान रखें। इस पोजीशन में रुककर आप 5 से 10 बार गहरी सांस लें और छोड़ें। पेट की समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। इस प्रक्रिया को तीन से चार बार दुहराएं।

एजिंग के लक्षण करे कम मोरिंगा सीड्स जानिए इसके अन्य फायदे

अलग-अलग देशों और क्षेत्रों में मोरिंगा के अलग-अलग नाम हैं, लेकिन इसे भारत में आमतौर पर 'सहजन के पेड़' के रूप में जाना जाता है। सहजन के पौधे की फली से मोरिंगा सीड्स पैदा होते हैं, जो स्वास्थ्य लाभों से भरपूर होते हैं। इन सीड्स में विटामिन बी6, बीटा कैरोटीन, विटामिन सी, मैग्नीशियम और प्रोटीन प्रचुर मात्रा में होता है। ये त्वचा की समस्याओं को दूर कर सकता है और पाचन व विजन में भी सुधार कर सकता है। मोरिंगा सीड्स स्किन और बालों की हेल्थ के लिए बेहतरीन माना जाता है। इसके कई अन्य हेल्थ बेनिफिट्स भी हैं चलिए जानते हैं इसके बारे में-

क्या है मोरिंगा सीड्स?

स्टाइलक्रेज के अनुसार, मोरिंगा के पौधे में खाने योग्य 4 भाग होते हैं जैसे इसकी फली, पत्ते, बीज और जड़ें. मोरिंगा सीड्स के अविश्वसनीय स्वास्थ्य लाभ मोरिंगा पौधे की फली से प्राप्त होते हैं. मोरिंगा सीड्स स्किन, बालों, पाचन, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, इंफेक्शन और मोटापे का इलाज और उपचार करने के लिए जाना जाता है.

स्किन के लिए मोरिंगा सीड्स के फायदे

- एजिंग के लक्षण कम करे- मोरिंगा सीड्स में तेल होता है जिसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स में उपयोग किया जाता है। इसमें एंटी-एजिंग गुण होते हैं जो झुर्रियों और दाग धब्बों को कम करने में मदद करते हैं। मोरिंगा सीड्स स्किन को जवां रखने में मदद करता है।
- मॉइस्चराइजर का काम करता है- मोरिंगा सीड्स के तेल में ओमेगा-9 फैटी एसिड की अधिक मात्रा होती है, जो स्किन को नेचुरल रूप से मॉइस्चराइज करता है। ये स्किन में मौजूद नमी को लॉक कर देता है। मोरिंगा तेल का उपयोग कई कॉस्मेटिक उत्पादों में किया जाता है। इसका प्रयोग एंटी-एजिंग क्रीम, साबुन, बॉडी वॉश, हेयरवॉश, अरोमाथेरेपी और डिओडोरेंट में किया जाता है।

बालों के लिए मोरिंगा सीड्स के फायदे

- हम सभी सुंदर बाल चाहते हैं, लेकिन बाजार में सभी बेहतरीन हेयर केयर ब्रांड केमिकल्स से भरे होते हैं और इनकी कीमत भी बहुत अधिक होती है। स्वस्थ और चमकदार बाल पाने का सबसे अच्छा प्राकृतिक विकल्प मोरिंगा हो सकता है।
- मोरिंगा सीड्स पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो बालों के लिए लाभदायक हो सकता है। मोरिंगा में मौजूद आयरन बालों को झड़ने से रोकने और बालों के विकास को बढ़ावा देने में मदद करता है।
- मोरिंगा आवश्यक अमीनो एसिड से भरा होता है जो कोशिकाओं के निर्माण और मरम्मत करने में मदद करता है। ये बालों को मुलायम और चमकदार बनाता है।
- मोरिंगा सीड्स बालों और स्किन के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसका प्रयोग कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स में किया जाता है।

बच्चों के कमरे में जरूर लगाएं वर्ल्ड मैप

खेल-खेल में मिलेगी जानकारी

हम सभी चाहते हैं कि हमारा बच्चा हर अच्छी आदतों को सीखे। इसके लिए माता पिता अपना बेस्ट करना चाहते हैं। ऐसे में जब बच्चे इंटरनेट पर सर्फिंग करना शुरू करते हैं और अपने ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करते है, तो माता पिता के लिए हर वक्त उन पर नजर रखना मुश्किल हो जाता है और वे मिल रही जानकारी को वेरीफाई नहीं कर पाते। बच्चों को इंटरनेट पर व्यस्त रहना भी उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता। ऐसे में अगर आप बच्चों के रूम की दीवार पर वर्ल्ड मैप लगाएं तो इससे ना केवल उन्हें सही जानकारी मिलेगी, बल्कि वे बेहतर तरीके से टाइम पास भी कर सकेंगे। यहां हम आपको बताते हैं कि आप बेहतर परवरिश के लिए बच्चों की दोस्ती वर्ल्ड मैप या एटलस से क्यों कराएं।

विश्लेषणात्मक क्षमताओं का होता है विकास

मानचित्र पढ़ना बच्चों के विश्लेषणात्मक तर्क को विकसित करने का एक बेहतरीन तरीका होता है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते जाते हैं, उनकी ये विश्लेषणात्मक तर्क की क्षमता भी विकसित होती जाती है। यही नहीं, भौगोलिक मानचित्र बच्चों के अंदर एक दुनिया बनाती जाती है जो उन्हें वस्तुओं, स्थानों, जगहों, देश आदि से जुड़ा हुआ महसूस कराती है।

अपने आसपास की दुनिया के बारे में जानकारी

बच्चों को अपने आसपास की सारी जानकारी न्यूज पेपर, बुक्स आदि के माध्यम से भी होनी चाहिए। बच्चों को यह जरूर पता होना चाहिए कि वे किस जगह रहते हैं और उनकी जगह दुनिया में कहां है। इस तरह ये सारी जानकारी बच्चे की यादों में इकट्ठा होता जाता है और उम्र बढ़ने के साथ वे खुद को उस दुनिया से कनेक्ट कर पाते हैं।

इंस्पायर करने वाला डेकोरेशन आइटम

बच्चों के लिए यह जरूरी है कि उनके आसपास ऐसी चीजें हों जिन्हें देखकर वे कुछ सीख सकें और कुछ जान सकें। इसके लिए घर की सजावट में जब आप वर्ल्ड मैप रखते हैं तो इससे उनके कमरे में जानकारी का भंडार एक मैप की मदद से उन्हें मिल जाता है। उन्हें किसी जानकारी को हासिल करने के लिए इंटरनेट पर जाने की जरूरत नहीं होती और वे सारी चीजों को एक तर्क संगत तरीके से कनेक्ट करते जाने में सक्षम हो पाते हैं।

कुछ हट के बनाएं प्याज के पकोड़े

बनाने के लिए सामग्री

बेसन – 2 कप
चावल का आटा – 1/4 कप
प्याज – 4-5
हरी मिर्च – 4-5
जीरा पाउडर – 1/2 टी स्पन
लाल मिर्च पाउडर – 1 टी स्पून
हल्दी – 1/4 टी स्पून
अदरक पेस्ट – 1 टी स्पून
धनिया पत्ती – 2-3 टेबलस्पून
अजवाइन – 1/4 टी स्पून
कढ़ी पत्ते – 8-10
तेल – तलने के लिए
नमक – स्वादानुसार

प्याज के पकोड़े बनाने की विधि

प्याज के पकोड़े बनाने के लिए सबसे पहले प्याज को लें और उन्हें छीलकर पतले लंबे स्लाइस काटें। इसके बाद इन्हें एक समान मोटाई देते हुए काटें, जिससे तलने के दौरान सुविधाजनक रहे। अब हरी मिर्च, हरा धनिया भी बारीक काटें। अब एक बड़ी मिक्सिंग बाउल लें और उसमें बेसन और चावल का आटा डालकर दोनों को अच्छी तरह से मिक्स कर दें। इसके बाद इस मिश्रण में हरी मिर्च, हरा धनिया, जीरा पाउडर, अदरक पेस्ट, हरी समेत अन्य सामग्रियां डालकर मिक्स करें। अब इस मिश्रण में थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर गाढ़ा घोल तैयार करें। जब घोल तैयार हो जाए तो प्याज और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर दें। अब एक कड़ाही में तेल डालकर उसे मीडियम आंच पर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो प्याज का घोल लें और उससे पकोड़े बनाकर तेल में डालें। अब पकोड़ों को सुनहरा होने तक डीप फ्राई करें।

जब पकोड़े डीप फ्राई करें तो उन्हें बीच-बीच में पलटते रहें जिससे वे दोनों ओर से गोल्डन होने के साथ क्रिस्पी भी हो जाएं। इसके बाद पकोड़े प्लेट में उतार लें। इसी तरह सारे घोल से प्याज के पकोड़े तैयार कर लें। स्वादिष्ट अनियन पकोड़ा बनकर तैयार हो चुका है। इन्हें हरी चटनी और टमाटर सॉस के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

रात में स्वेटर पहनकर सोने की न करें भूल

उत्तरी भारत में लुढ़कते तापमान के चलते ठंड अपने चरम पर है। ठंड से बचाव के लिए लोग गरम कपड़े की कई कई लेयर पहनकर घर से निकल रहे हैं। ठंड से बचाव के लिए कुछ लोग रात के समय भी गर्म कपड़े पहन कर सोते हैं। रात के समय गर्म कपड़े पहन कर सोना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। रात के समय गर्म कपड़े पहनने से न केवल ब्लड सर्कुलेशन स्लो होता है वही स्किन से संबंधित बीमारियों का भी सामना करना पड़ता है। आज आपको बताएंगे कि किन वजहों से आपको रात के वक्त स्वेटर पहनकर नहीं सोना चाहिए।

हो सकती हैं स्किन प्रॉब्लम

रात के समय गर्म कपड़े पहनने से कई तरह की स्किन प्रॉब्लम हो सकती है। रात को गर्म कपड़े पहन कर सोने से शरीर में नमी की कमी हो जाती है ऐसे में आपको एग्जिमा तथा इचिंग जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा मोजे पहन कर सोने की वजह से बैक्टीरियल इंफेक्शन हो सकता है।

बढ़ जाता है ब्लड प्रेशर

रात को स्वेटर या अन्य गर्म कपड़े पहन कर सोने से ब्लड प्रेशर भी बढ़ जाता है। स्वेटर या गर्म कपड़े रात के कारण रात में स्वेटिंग हो सकती है जिसका सीधा असर ब्लड प्रेशर पर पड़ता है ऐसे में रात को नार्मल कपड़े पहन कर सोने की सलाह दी जाती है।

हवा का सर्कुलेशन हो जाता है डाउन

आमतौर पर हम ठंड से बचाव के लिए स्वेटर या गर्म कपड़ों का इस्तेमाल करते हैं। कभी-कभी ठंड ज्यादा होने की वजह से हम रात को भी स्वेटर पहन कर सोना उचित समझने लगते हैं लेकिन स्वेटर या गर्म कपड़े पहन कर सोने से शरीर में हवा का प्रेशर डाउन हो जाता है जिसकी वजह से शरीर का टेंपरेचर बढ़ जाता है। यदि हम काफी लंबे समय तक स्वेटर या गर्म कपड़े पहन कर सोते हैं तो हृदय से संबंधित दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

अन्य गर्म कपड़ों से भी होता है नुकसान

यदि हम ठंड से बचाव के लिए रात को भी स्वेटर पहन कर सो रहे हैं तो ऐसे में गर्म कपड़ों के रेशे भी कमजोर हो जाते हैं। रेशे कमजोर होने की वजह से कपड़ों की ड्युरेबिलिटी कम हो जाती है। रात को ठंड से बचाव हेतु कंबल या रजाई का इस्तेमाल बेहतर है।

बच्चों को अनुशासन सिखाना जरूरी

बच्चों का पहला स्कूल घर और पहले गुरु उनके अभिवाभक ही होते हैं। यानी उनमें अच्छी या बुरी आदतों की नींव घर से ही पड़ती है। इसलिए जरूरी है कि उनके सामने आप अपनी मजबूत और संवेदनशील छवि कायम करें। जो गुण आप उनके भीतर देखना चाहते हैं, उन्हें पहले अपने व्यक्तित्व में शामिल करें। आपको देखकर बच्चे को खुद-ब-खुद आपके जैसा बनने की प्रेरणा मिल जाएगी।

थोड़ी ढील भी है जरूरी

बच्चों को अनुशासन सिखाना बहुत जरूरी है, लेकिन हर समय इसका पाठ पढ़ाने से वह तनाव की चपेट में आ सकता है। आज के जमाने में छोटी कक्षाओं से ही उन पर पढ़ाई और परीक्षाओं का बहुत दबाव होता है, इसलिए कभी-कभार उन्हें छुट्टी देनी भी जरूरी है, जिसमें वह सिर्फ खेल-कूद और मस्ती कर सकें। ऐसा करने से बच्चा न केवल तरोताजा हो जाएगा,बल्कि उसे भरोसा भी होगा कि आप हर समय सिर्फ सख्ती नहीं बरतती हैं।

अच्छी आदतों को प्रोत्साहन

मानसिक सेहत दुरुस्त रखने के लिए शारीरिक स्वास्थ्य का अच्छा होना बहुत जरूरी है। इसलिए बचपन से ही अपने बच्चे में अच्छी आदतों की नींव डालें। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, समय से जागने और सोने का सही समय तथा भावनात्मक स्थिरता कुछ ऐसे अच्छे गुण हैं, जो उन्हें तनाव मुक्त रखने के लिए जरूरी हैं।

यथार्थवादी बनना सिखाएं

जीवन में सब कुछ हमारी मर्जी के मुताबिक नहीं होता है और ऐसा भी जरूरी नहीं कि हमेशा आप अव्वल ही आएं। अपने बच्चे को व्यवहारिक बनने का हुनर सिखाएं ताकि वह जीत की खुशी के साथ हार को भी सकारात्मक तरीके से स्वीकार सके। जब हम खुले दिल से परिणाम स्वीकारना सीख जाते हैं, तो तनावग्रस्त होने की आशंका अपने आप कम हो जाती है।

गुणवत्ता पर महापौर की कड़ी नज़र, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

महापौर बाघमार ने चार्ज रोड डामरीकरण कार्य का किया निरीक्षण

दुर्ग। नगर पालिक निगम की महापौर अलका बाघमार ने आज शहर के महत्वपूर्ण चार्ज रोड पर जारी डामरीकरण कार्य का विस्तृत निरीक्षण किया। चार्ज रोड से लेकर चौपाटी चौक तक फैले इस निर्माण कार्य को महापौर ने मौके पर पहुंचकर बारीकी से परखा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़क की मजबूती, मोटाई, गुणवत्ता, उपयोग की जा रही सामग्री, मशीनों की कार्यक्षमता सहित प्रत्येक चरण का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नगर निगम द्वारा किए जा रहे सड़क निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप, उच्च गुणवत्ता और निर्धारित समय सीमा में पूरे होने चाहिए। महापौर बाघमार ने कहा कि चार्ज रोड शहर का अत्यंत व्यस्त और महत्वपूर्ण मार्ग है। नागरिकों द्वारा यह मांग लंबे समय से की जा रही थी कि सड़क की स्थिति में सुधार लाया जाए। नगर निगम द्वारा जनता की मांग

को प्राथमिकता देते हुए अब सड़क का उच्च स्तरीय डामरीकरण किया जा रहा है, जिससे आने वाले वर्षों तक लोगों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही या मानकों से विचलन पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। इस निरीक्षण में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर,नीलेश अग्रवाल,गुलाब वर्मा, कार्यपालन अभियंता आर.के. जैन., हरिशंकर साहू सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने महापौर को कार्य की प्रगति और आगामी चरणों की जानकारी विस्तार से दी। महापौर ने टीम को यह निर्देश भी दिया कि कार्य के दौरान यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य है कि शहर की सभी प्रमुख सड़कों को मजबूत एवं सुरक्षित बनाया जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधा और सुगम आवाजाही का अनुभव मिल सके।

ग्राम पंचायत लालाकापा में मनाया गया धूम धाम से संविधान दिवस

मुंगेली। जिले के ग्राम पंचायत लालाकापा के जयस्तम्भ चैक में मनाया गया संविधान दिवस, बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाया गया संविधान से ही यह देस चलता है ,आज के दिन 26 नवंबर 1949 को संविधान बनकर तैयार हुआ था,भारत का संविधान ही वह शक्ति है जिसने देश की विविधता को एकता में समाहित किया है,आज हम सब मिलकर संकल्प लें कि इस संविधान का पालन करते हुए देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाये रखने का सदैव प्रयास करते रहेंगे, कार्यक्रम में मुख्य रूप से धर्मेन्द्र चतुर्वेदी,देवचंद डाहीरे,रोशन चतुर्वेदी,एकेश्वर दिवाकर, धनीराम साहू गुवेंद्र चतुर्वेदी तिलक, समारू, दिलेश भगवती साहू गोविंद ,ढोला डीगू सोहम आदि भरी संख्या में ग्राम वाशी उपस्थित रहे।

विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखकर कार्य करना सच्ची देशभक्ति : कल्पना नारद साहू

पाटन। भारत के भावी पीढ़ी को हमारे गौरवशाली संविधान से अवगत कराकर उनके भविष्य गढ़ने के उद्देश्य से शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रानीतराई में सतनामी आसरा पाटन एवं शाला परिवार के संयुक्त तत्वावधान में संविधान दिवस का समारोह पूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथि वक्ताओं ने कहा कि विश्व के सर्वश्रेष्ठ भारतीय संविधान के महान योगदान से ही भारतीयों में एकता और अखंडता सुनिश्चित हुआ है। तथा विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखकर कार्य करना ही सच्ची देशभक्ति हैं। इसके साथ ही बच्चों को संविधान से कैरियर गाइडेंस, एआई,योग एवं आयुर्वेद व साइबर सुरक्षा की जानकारी भी दी गई। संविधान दिवस का शुभारंभ शासकीय प्राथमिक शाला कौही के बच्चों द्वारा संविधान प्रस्तावना वाचन पश्चात संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर विद्यालयीन बच्चियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। सतनामी आसरा पाटन द्वारा विद्यालय के

बच्चों की तैयारी के लिए संविधान पुस्तिका की पांच प्रति शाला परिवार को भेंट किया गया कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र मारकण्डे प्रधानपाठक प्रा.शा.कौही ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सभापति कल्पना साहू, अध्यक्षता जामगांव आर मंडल अध्यक्ष कमलेश साहू, विशेष अतिथि रानीतराई थाना प्रभारी पुरूषोत्तम कुर्रे, लीना साहू सरपंच कौही, प्रियलता महिपाल सरपंच औसर, भाजपा मंडल महासचिव निर्मल जैन, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष गुमान साहू, तहसील साहू समाज कोषाध्यक्ष नारद साहू, शाला प्रबंधन समिति संरक्षक अशोक शर्मा, पंच अजय टिकरिहा, प्रभारी प्राचार्य कल्याणी देवांगन, बूथ अध्यक्ष अभिषेक सेन, पत्रकार संतोष देवांगन, योग एवं आयुर्वेदाचार्य आदित्य टंडन, शिक्षादूत अंकेश महिपाल, सतनामी आसरा सदस्य स्वाति मारकण्डे, मूशन धृतलहरे,टुम्मन जोशी, कुणाल मारकण्डे, पुष्पांजली गायकवाड, शिक्षक ललित ठाकुर, लीना बंछोर, वीन्वा साहू, संगीता चन्द्राकर,शिक्षा स्वयं सेवी लेखा ठाकुर, टेमन निषाद,सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, बच्चे व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संविधान दिवस के अवसर पर सरपंच प्रियालता महिपाल ने जुटाएं 40,000 से अधिक की किताबें

जिला पंचायत सभापति कल्पना नारद साहू के हाथों हुआ बुक बैंक का शुभारंभ

रानीतराई। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत औंसर डिघारी में संविधान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। डॉ भीमराव अंबेडकर के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया फिर संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। ग्राम पंचायत औंसर डिघारी के सरपंच प्रियालता महिपाल ने ग्रामवासियों के लिए 400 से अधिक किताबें जनसहयोग से जुटाएं है जिसका लागत मूल्य 40,000 रुपये से भी अधिक है। गाँव के युवक युवतियों के लिए विभिन्न प्रकार के प्रतियोगी परीक्षा के पुस्तक भी एकत्र किया गया है। संविधान दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत औंसर डिघारी में स्वामी आत्मानंद वाचनालय में बुक बैंक की शुभारंभ किया गया। जिसमें हर तरह की किताबें हैं इसे ग्रामवासी पंचायत में आकर भी पढ़ सकेंगे और पंचायत से घर ले जाने की भी सुविधा है। बुक बैंक में नवोदय, राष्ट्रीय छात्रवृति परीक्षा, एकलव्य, SSC, रेलवे, पुलिस, आर्मी, अग्निवीर, पटवारी, शिक्षक

भर्ती से लेकर PSC तक के पुस्तक उपलब्ध है। सरपंच प्रियालता महिपाल ने बताया कि आगामी समय में इसका और भी विस्तार किया जाएगा तथा जो कोई भी पंचायत के लिए को पुस्तक देगा उसे पंचायत द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, सक्रिय महिलाओं, पशु सखी, भोजन माताओं का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर सरपंच प्रियालता महिपाल ने सभी के योगदान की सराहना की। माताओं की सेवा भाव और समर्पण को नमन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कल्पना साहू सभापति जिला पंचायत दुर्ग ने सरपंच के इस प्रयास की सराहना की, उन्होंने कहा कि इससे गाँव में पढ़ाई का अच्छा माहौल बनेगा। इस अवसर पर नारद साहू कोषाध्यक्ष तहसील साहू समाज पाटन, भूपेश निर्मलकर उप सरपंच, सुरेश वर्मा, गजेंद्र भारती, प्रकाश भास्कर पंच, शशि वर्मा सचिव, भूषण वर्मा रोजगार सहायक, रोशनी चतुर्वेदी, त्रिवेणी भारती, श्यामा भारती, अनिता ठाकुर, सुमित्रा यादव पंच,अनकेश्वर महिपाल, विकास ठाकुर, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकताएं सहायिकाए, बिहान की क्रेडर ,स्कूल की रसोईया, पंचगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पहले छत्तीसगढ़ की बदहाल हो चुकी कानून व्यवस्था की समीक्षा करे

रायपुर। छत्तीसगढ़ की बद्तर हो चुकी कानून व्यवस्था की समीक्षा पहले होनी चाहिये। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा डीजीपी कांन्फ्रे स में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी आ रहे। प्रदेश अपराध गढ़ बन गया है। कानून व्यवस्था चौपट हो गयी है। अपराधियों के आतंक से जनता घबराई हुई। प्रदेश में प्रतिदिन दर्जन भर से अधिक महिलाओं की अस्मत लूटी जा रही है। प्रतिदिन 6 से अधिक हत्या, प्रतिदिन 10 लूटपाट, प्रतिदिन 10 से अधिक अपहरण, प्रतिदिन 24 चोरी, प्रतिदिन 8 डकैती की घटना हो रही है। चाकूबाजी, छोड़छाड़, मारपीट की घटना आम हो गई। नशीली वस्तुओं की तस्करों का हब बन गया है। ड्रग्स, अफ ीम, गांजा, सूखा नशा, शराब, अवैध शराब चौक-चौराहों में बिक रहा है। गृहमंत्री विजय शर्मा जनता को शांत, भयमुक्त वातावरण देने में असफल हो गये है। मोदी की गारंटी पूरी तरह फ्लाप हो गई है। राज्यों की कानून व्यवस्था पर चर्चा की जायेगी तथा राज्यों की कानून व्यवस्था की समीक्षा होगी एवं भविष्य की रणनीति भी बनाये जायेगी। ऐसे में इस कांन्फ्रे स में छत्तीसगढ़ के बिगड़ चुके कानून व्यवस्था के बारे में भी विचार किया जाना चाहिये। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का ऐसा अकेला राज्य है, जहां पर कलेक्टर, एसपी कार्यालय जला दिया गया, अपराधी को गांव वालो ने उसके घर में जिंदा जला दिया, एसडीएम को जनता मारने दौड़ा दिया उसे जान बचाकर भगाना पड़ा। राज्य की राजधानी में 2 साल में गोलीबारी की घटना हो गयी, राज्य में मासूम बच्चियां महिलाएं सुरक्षित नहीं है। हर दिन बलात्कार और हर दूसरे दिन 3 सामूहिक दुराचार की घटनाएं हो रही है। राजधानी चाकू पुर बन गया है। ऐसे में छत्तीसगढ़ की बढ़ती अपराधिक घटनाओं को दृष्टांत मानकर डीजी कांन्फ्रेस में इस पर विमर्श होना चाहिये।

कलेक्टर-एसपी ने लालपुर और अमरटापू धाम में गुरूघासीदास जयंती की तैयारियों का लिया जायजा , सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मुंगेली। गुरुघासीदास जयंती के गरिमामय आयोजन को सुनिश्चित करने कलेक्टर कुन्दन कुमार और पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने लालपुर एवं अमरटापू धाम पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने वहां मेला आयोजकों से मुलाकात कर तैयारियों की जानकारी ली तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को शीघ्र और प्राथमिकता से पूर्ण करने के संबंध में चर्चा की। कलेक्टर ने पानी, बिजली, बैठक व्यवस्था, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, पार्किंग, हेलीपेड और भीड़ प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाओं को निर्धारित मानक के अनुसार जल्द दुरुस्त किया जाए। उन्होंने हेलीपैड क्षेत्र का भी निरीक्षण किया और वहां पहुंच मार्ग सहित अन्य व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए कोई भी व्यवस्था अधूरी नहीं रहनी चाहिए। सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करते हुए तैयारी समय पर पूर्ण करें। सभी विभागों को निर्देश दिए कि

गुरुघासीदास जयंती का आयोजन सफल, सुव्यवस्थित और गरिमापूर्ण बनाने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कर ली जाएँ।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने मोतिमपुर में उपस्थित एनएसएस के विद्यार्थियों से संवाद भी किया। कलेक्टर ने कहा कि एनएसएस का उद्देश्य छात्रों में सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना, नेतृत्व गुण बढ़ाना और उन्हें समाज की आवश्यकताओं को समझने में मदद करना है। बच्चों को निष्ठा, ईमानदारी और नियमित अध्ययन को जीवन में सफलता का आधार बताते हुए कहा कि मोबाइल एवं इंटरनेट का उपयोग केवल ज्ञान वृद्धि और लक्ष्य प्राप्ति के लिए करें। पुलिस अधीक्षक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरुघासीदास जी का मूल मंत्र सेवा और समानता है। उनका संदेश मनखे-मनखे एक समान का संदेश मानवता, भाईचारे और समानता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर क्राइम से सतर्क रहने और डिजिटल सुरक्षा अपनाने की सलाह दी।

इस दौरान वनमंडला अधिकारी अभिनव कुमार, एसडीएम मुंगेली अजय शतरंज सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

गलत स्व-विवरणी पर निगम का कड़ा रुख, करदाताओं पर लगेगी 5 गुना पेनल्टी

दुर्ग। नगर पालिक निगम ने प्रॉपर्टी टैक्स में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया है। निगम ने भवन एवं भूमि स्वामियों को चेतावनी दी है कि यदि कोई करदाता अपनी संपत्ति का विवरण स्व-विवरणी में गलत या कम दिखाता है, तो उस पर अंतर राशि का 5 गुना तक जुर्माना लगाया जाएगा। निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि इस नियम का उद्देश्य करदाताओं पर बोझ डालना नहीं, बल्कि शहर में एक सही और निष्पक्ष कर व्यवस्था स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि गलत विवरण प्रस्तुत करने वाले किसी भी करदाता को पेनल्टी माफ़ करने का अधिकार निगम के पास भी नहीं रहेगा, इसलिए सभी संपत्ति स्वामी सही जानकारी देना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रॉपर्टी टैक्स का एकमुश्त भुगतान 30 नवंबर 2025 तक करने पर 2 प्रतिशत की

छूट दी जाएगी। करदाता समय पर भुगतान कर इस लाभ का फायदा उठा सकते हैं। निरीक्षण के दौरान यदि किसी संपत्ति में वास्तविकता से कम आंकड़े प्रस्तुत किए गए पाए गए, तो निगम सीधे 5 गुना पेनल्टी लागू करेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि स्व-विवरणी भरने एवं बिना अधिभार के कर जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 निर्धारित है। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा-आयुक्त ने कहा कि नगर निगम शहर के विकास के लिए कर संग्रहण को पारदर्शी और तथ्यात्मक बनाना चाहता है। गलत स्व-विवरणी देना नियमों का उल्लंघन है और इससे राजस्व की हानि होती है। सभी नागरिक सटीक जानकारी दें ताकि अनावश्यक कार्रवाई न करनी पड़े। उन्होंने आगे कहा कि करदाता समय पर कर जमा करें और 30 नवंबर तक एकमुश्त भुगतान कर 2 प्रतिशत की छूट का लाभ ज़रूर उठाएँ। निगम जनहित में कार्य कर रहा है और हम सभी से सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

अमृत सरोवरों में मनाया गया संविधान दिवसः जल संरक्षण व संवैधानिक मूल्यों के पालन का लिया संकल्प

मुंगेली। जनपद पंचायत मुंगेली अंतर्गत आदर्श अमृत सरोवर रामगढ़ सहित सभी अमृत सरोवर परिसरों में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार एवं राज्य शासन के निर्देशानुसार आयोजित किया गया, जिसके तहत आमजनों को संविधान के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ जल संरक्षण एवं नागरिक कर्तव्यों पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम से न केवल संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाया, बल्कि अमृत सरोवरों को संरक्षित करने की सामुदायिक भावना को भी मजबूत किया। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन से हुई। उपस्थित ग्रामीणजन, छात्र-छात्राएँ, स्वसहायता समूह की सदस्याएँ, नरेगा श्रमिक, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी सभी ने संविधान में निहित आदर्श, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का पालन करने तथा जल संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान सरोवर परिसर में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पठन एवं शपथ ग्रहण, संविधान दिवस के महत्व एवं पृष्ठभूमि पर संक्षिप्त जागरूकता कार्यक्रम, जल संरक्षण, अमृत सरोवर की साफ-सफाई एवं सुरक्षा की प्रतिज्ञा आदि कई गतिविधियाँ आयोजित की गई।

मुंगेली में उप मुख्यमंत्री व लोरमी विधायक अरुण साव का जन्मदिवस धूमधाम से मनाया

सुबह से लगा शुभकामनाओं का तांता

मुंगेली। जिले के लाडले उप मुख्यमंत्री एवं लोरमी विधायक अरुण साव का जन्मदिवस मंगलवार को पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह होते ही उनके समर्थकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों द्वारा बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर शाम तक चलता रहा। जिला पंचायत मुंगेली के सभापति उमाशंकर साहू, भाजपा मुंगेली ग्रामीण के महामंत्री नितेश भारद्वाज, जनपद पंचायत मुंगेली के सभापति राज साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने उप मुख्यमंत्री अरुण साव के निवास एवं संसदीय कार्यालय पहुँचकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ

भेंट कर उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। स्थानदृस्थान पर कई सेवा कार्यक्रम, फल वितरण, जरूरतमंदों को सहायता सामग्री वितरण तथा पौधरोपण जैसे सामाजिक कार्य भी आयोजित किए गए। जनसामान्य ने कहा कि उप मुख्यमंत्री अरुण साव के नेतृत्व में प्रदेश और विशेषकर मुंगेली-लोरमी क्षेत्र विकास की नई दिशा प्राप्त कर रहा है। जन्मदिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और विभिन्न संगठनों ने भाग लेकर इस दिन को खास बना दिया। वातावरण पूरे दिन उत्साहपूर्ण और जनसंपर्क से भरा रहा।

राज्य सलाहकार ने विभिन्न ग्रामों में स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण, जनसहभागिता बढ़ाने के निर्देश

मुंगेली। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत राज्य सलाहकार मोनिका सिंह ने जनपद पंचायत मुंगेली के ग्राम बरदुली, डोमनपुर, छतौना, फहदा और सेमरचुवा का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गांवों में संचालित ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, सामुदायिक सहभागिता, स्वच्छता व्यवहार में सुधार, तथा मिशन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के समय जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, महिला स्वसहायता समूह की सदस्य, स्वच्छाग्रही, सरपंच, सचिव एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सिंह ने सभी ग्रामों में स्वच्छता कार्यों को गति देने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने, तथा जनसहभागिता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों को दैनिक जीवन में स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि स्वच्छ भारत मिशन तभी सफल होगा जब ग्रामीण, पंचायत और प्रशासन मिलकर संयुक्त प्रयास करेंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com